A Daily News Magazine
भोपाल
शनिवार, 24 अगस्त, 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 346 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews


**प्रसंगवश**

# चीनी चुनौतियों के बीच भारत-थाई संबंधों का नया दौर

**ओंकारेश्वर पांडेय**

बैंकॉक भारतीयों का पसंदीदा पर्यटन स्थल है। यदि आप बैंकॉक जाएंगे, तो वहां आपका स्वागत थाईलैंड की सबसे युवा प्रधानमंत्री पैटॉन्गटर्न शिनावात्रा की सरकार करेगी। भारत और थाईलैंड के संबंध हजारों साल पुराने हैं। चाहे वह व्यापार हो, सांस्कृतिक आदान-प्रदान हो, या फिर सामरिक दृष्टिकोण से जुड़ी साझेदारी हो, दोनों देशों के बीच के संबंध अद्वितीय हैं। परंतु, वर्तमान समय में, थाईलैंड का झुकाव चीन की तरफ अधिक होता दिख रहा है, जो भारत के लिए एक चुनौती हो सकती है। भारतीयों के लिए थाईलैंड न केवल पर्यटन का एक लोकप्रिय केंद्र है, बल्कि ऐतिहासिक रूप से भी दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और धार्मिक संबंध गहरे रहे हैं।

पैटॉन्गटर्न, जिन्हें 'उंग इंग' के नाम से भी जाना जाता है, अपनी चाची यिंगलक शिनावात्रा के बाद प्रधानमंत्री बनने वाली थाईलैंड की दूसरी महिला नेता हैं। उनका चुनाव भारत के लिए उनके पिता प्रधानमंत्री थाक्सिन द्वारा स्थापित गर्मजोशी भरे संबंधों को और मजबूत करने का एक रणनीतिक अवसर है। थाई राजनीति का यह नया दौर ऐसे समय में आया है, जब भारत का व्यापक लक्ष्य दक्षिण पूर्व एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करना है। उनके राजनीतिक कॅरियर का उदय एक विशेष रूप से अस्थिर राजनीतिक परिदृश्य के बीच हुआ, जब थाईलैंड में संवैधानिक अदालत ने उनके पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री स्रेथा थविसिन को एक विवादास्पद कैबिनेट नियुक्ति के कारण पद से हटा दिया।

थाईलैंड में सैन्य हस्तक्षेप और राजनीतिक अस्थिरता का लंबा इतिहास रहा है। 2006 और 2014 में हुए दो बार हुए सैन्य तख्तापलट ने देश की राजनीति को बुरी तरह प्रभावित किया। थाईलैंड की पहली महिला प्रधानमंत्री, यिंगलक शिनावात्रा, जो पैटॉन्गटर्न की चाची हैं, का कार्यकाल भी इसी अस्थिरता का शिकार हुआ। हालांकि, भारत के लिए इन घटनाओं के बीच एक रणनीतिक अवसर भी छिपा है।

थाक्सिन शिनावात्रा और भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल 2001 से 2006 के दौरान भारत-थाईलैंड संबंधों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई। आर्थिक-रणनीतिक सहयोग बढ़ा। मुक्त व्यापार समझौता हुआ, और संयुक्त सैन्य अभ्यास और द्विपक्षीय नौसैनिक रक्षा सहयोग भी शुरु हुआ। समुद्री सहयोग व कनेक्टिविटी बढ़ाने के अलावा भारत, म्यांमार और थाईलैंड के बीच त्रिपक्षीय राजमार्ग परियोजनाओं के माध्यम से दोनों देशों में उल्लेखनीय सहयोग देखा गया।

भारत की स्वतंत्रता के बाद सन् 1947-76 के दौरान भारत-थाई संबंध ठंडे रहे थे। 1970 के दशक तक थाईलैंड पर सैन्य शासकों का शासन था। 1986 में भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी की थाईलैंड यात्रा ने इस स्थिति को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1994 में शुरू हुई भारत की 'लुक ईस्ट' नीति और थाईलैंड की 'लुक वेस्ट' नीति ने द्विपक्षीय संबंधों को नया आयाम दिया। इसके बाद के वर्षों में, दोनों देशों ने अपने आर्थिक और सामरिक सहयोग को बढ़ाया। 2011 में थाक्सिन की बहन यिंगलक शिनावात्रा के प्रधानमंत्री बनने के बाद उनके कार्यकाल (2011-2014) के दौरान भारत और थाईलैंड के बीच कई महत्वपूर्ण समझौते हुए, जिनमें रक्षा, सुरक्षा, और व्यापार पर ध्यान केंद्रित किया गया।

हालांकि, 2014 में यिंगलक शिनावात्रा को भी सत्ता से बेदखल कर दिया गया, और वह अब चीन में निर्वासित जीवन बिता रही हैं। इस बीच, थाईलैंड और चीन के संबंध मजबूत होते गए। थाईलैंड अब चीन के 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' का हिस्सा है और दोनों देशों के बीच व्यापारिक और सैन्य सहयोग में भी तेजी आई है। चीन ने थाईलैंड में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में बड़ा निवेश किया है, जैसे कि बैंकॉक को लाओस-चीन हाई स्पीड रेल से जोड़ने का प्रोजेक्ट। इसके अलावा, चीन ने थाईलैंड को 5 प्रतिशत नेटवर्क स्थापित करने के लिए हुवावे जैसी कंपनियों के माध्यम से भी सहायता प्रदान की है।

थाईलैंड में चीन का बढ़ता प्रभाव भारत ही नहीं, अमरीका के लिए भी महत्वपूर्ण चुनौती है। चीन ने न केवल थाईलैंड के रक्षा क्षेत्र में अपने प्रभाव को बढ़ाया है, बल्कि थाईलैंड के साथ नियमित रूप से संयुक्त सैन्य अभ्यास भी किया है। चीन अब थाईलैंड का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता बन गया है। भारत और थाईलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2023 में लगभग 14 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। हालांकि, इस व्यापार में भारत का हिस्सा कम है। भारत और थाईलैंड दोनों ही आसियान क्षेत्रीय मंच और एशिया सहयोग वार्ता जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर एक साथ काम करते हैं।

भारत ने दक्षिणी थाईलैंड में इस्लामी अलगाववादियों से निपटने के लिए थाई लोगों की सहायता की, जिसके बदले थाईलैंड ने कंबोडिया में उत्पन्न होने वाले हथियारों की आपूर्ति के लिए उनकी जमीन का उपयोग करने वाले भारतीय अलगाववादियों के खिलाफ कार्रवाई की। 2006 से भारत-थाई नौसेनाओं की अंडमान सागर में प्रतीकात्मक 'समन्वित गश्त' और जनवरी 2012 में रक्षा सहयोग के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बावजूद कहीं न कहीं दोनों देशों के सुरक्षा संबंध अपेक्षाकृत अविकसित ही हैं। कुल मिलाकर थाईलैंड में भारत चीन से पिछड़ रहा है।

ऐसा तब है, जब दोनों देशों के संबंध हजारों साल पुराने हैं। थाई संस्कृति पर भारत का गहरा प्रभाव है। थाईलैंड बौद्ध धर्म को मानता है, जो भारत से उत्पन्न हुआ है। थाईलैंड की समुद्री सीमा भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के साथ जुड़ी है। दक्षिण पूर्व एशिया के प्रवेश द्वार थाईलैंड में रहने वाले लगभग 2 लाख 50 हजार भारतीय और 25 हजार से अधिक एनआरआई भारत-थाईलैंड संबंधों के जीवंत प्रतीक हैं। भारत और थाईलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2023 में 16.04 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जिसमें भारत से थाईलैंड को निर्यात 5.92 बिलियन अमेरिकी डॉलर और थाईलैंड से भारत को आयात 10.11 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।

इस असमानता को सुधारने और दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करने के लिए भारत को थाईलैंड में चीन के बढ़ते प्रभाव का संतुलन करने की आवश्यकता है। थाईलैंड में नई प्रधानमंत्री पैटॉन्गटर्न शिनावात्रा के नेतृत्व में एक नया राजनीतिक युग शुरू हुआ है। भारत के लिए यह समय महत्वपूर्ण है कि वह थाईलैंड के साथ अपने संबंधों को और गहरा करे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईसा पूर्व चौथी या पांचवीं शताब्दी के भगवान बुद्ध के अवशेषों को थाईलैंड भेजकर वहां के साथ सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने की कोशिश की है। लेकिन आज चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच, भारत को थाईलैंड में अपनी उपस्थिति और प्रभाव को बढ़ाने की आवश्यकता है।

इसके लिए भारत को रणनीतिक, आर्थिक, और सांस्कृतिक तीनों ही स्तरों पर ठोस कदम उठाने होंगे। क्या भारत थाईलैंड में पैटॉन्गटर्न शिनावात्रा के नये दौर में वहां चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने और अपने रणनीतिक हितों की रक्षा के साथ क्षेत्रीय स्थिरता के लिए कोई ठोस प्रयास कर सकता है?

**(सत्य हिंदी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)**

# यूक्रेन में प्रधानमंत्री मोदी ने जेलेंस्की को गले से लगाया

## फिर रखा कंधे पर हाथ, दोनों नेताओं ने 3 घंटे तक की बैठक

### प्रधानमंत्री मोदी ने जंग में मारे गए बच्चों को दी श्रद्धांजलि



**कीव (एजेंसी)।** रूस और यूक्रेन में ढाई साल से जारी जंग के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को यूक्रेन पहुंचे। यहां उन्होंने राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की। दोनों नेता यूक्रेन नेशनल म्यूजियम पहुंचे, जहां उन्होंने जंग में मारे गए बच्चों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने बच्चों के मेमोरियल पर डॉल भी रखी। इससे पहले मोदी 10 घंटे की ट्रेन यात्रा करने के बाद भारतीय समय के मुताबिक सुबह 10 बजे कीव पहुंचे। वे यहां 7 घंटे बिताएंगे। कीव में भारतीय समुदाय के लोगों ने मोदी का स्वागत किया। पीएम ने फोमिन बोटैनिकल गार्डन में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। यूक्रेन के दौरे पर जाने वाले पीएम मोदी पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। 1991 में सोवियत संघ के टूटने के बाद यूक्रेन की स्थापना हुई थी। तब से लेकर आज तक कोई भी भारतीय प्रधानमंत्री यूक्रेन नहीं गया था। पीएम मोदी का ये दौरा इसलिए भी खास है क्योंकि 24 फरवरी 2022 को रूस के हमले के बाद से अब तक नाटो देशों के अलावा किसी अन्य देश के नेता ने यूक्रेन का दौरा नहीं किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कुछ महीने पहले पीएम मोदी को यूक्रेन आने का न्योता दिया था। जेलेंस्की से मिलने का अंदाज काफी जुदा रहा।

# जेल में ही रहेंगे केजरीवाल, नहीं मिली जमानत

## 5 सितंबर तक टली सुनवाई, सीबीआई ने मांगा और वक्त

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने शराब नीति केस से जुड़े सीबीआई केस में सीएम केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुनवाई 5 सितंबर तक के लिए टाल दी है। कोर्ट ने 14 अगस्त की सुनवाई में जांच एजेंसी से जवाब मांगा था। सीबीआई ने शुक्रवार को कोर्ट में बताया कि एक मामले में जवाब दाखिल कर दिया है जबकि दूसरे केस में जवाब देने के लिए उसे और समय चाहिए। केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा- एक केस में सीबीआई का जवाब बुधवार रात 8 बजे मिला है। एजेंसी की अपील पर कोर्ट ने सीबीआई को एक हफ्ते का समय दिया है। 14 अगस्त को सीबीआई केस में केजरीवाल की एक और याचिका पर सुनवाई हुई थी। यह याचिका सीबीआई की गिरफ्तारी के खिलाफ थी। केजरीवाल के खिलाफ ईडी और सीबीआई का केस चल रहा है।



# अनिल अंबानी पर सेबी का बैन, शेयर बाजार में नो एंट्री!

- 25 करोड़ का तगड़ा जुर्माना, मुकेश अंबानी के भाई पर धोखाधड़ी का बड़ा आरोप

**मुंबई (एजेंसी)।** मार्केट रेगुलेटर सेबी ने फंड की हेराफेरी के मामले में इंडस्ट्रियलिस्ट अनिल अंबानी को शेयर बाजार से 5 साल के लिए बैन कर दिया है। अंबानी पर 25 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। उनके किसी भी लिस्टेड कंपनी में डायरेक्टर रहने पर भी पाबंदी लगी है। उनके अलावा रिलायंस होम फाइनेंस के पूर्व प्रमुख अधिकारियों समेत 24 अन्य एंटीटीज को बैन किया गया है और अलग-अलग जुर्माना लगाया गया है। वहीं रिलायंस होम फाइनेंस को 6 महीने के लिए बैन किया है और 6 लाख रुपए का जुर्माना लगा है। सेबी की ओर से जारी 222 पेज के फाइनल ऑर्डर के मुताबिक, जांच में पता चला कि आरएचएफ के अधिकारियों की सहायता से अनिल अंबानी ने पैसों की हेराफेरी की।

### सुप्रभात

बहुत मज़े में हूं जब से
ये धंधा छोड़ दिया
उमीदें बांध के घर से
निकलना छोड़ दिया
ये ख्वाब था मेरे
बच्चों के ख़्वाब पूरे हों
सो अपने आप को मैंने
अधूरा छोड़ दिया
तिरा जवाब नहीं
भीख मांगने वाले
किसी के इश्क़ में तूने
ख़ज़ाना छोड़ दिया
वो जिसकी बात पे
बरसों से यार प्यासा था
मलाल ये है कि उसने भी
प्यासा छोड़ दिया
थे रात ख़्वाब में अपने भी
और पराए भी
खुली जो आंख तो
सबने अकेला छोड़ दिया।

- हसीब सोज़

# कोलकाता कांड का आरोपी 14 दिन की न्यायिक हिरासत में

## संजय रॉय पॉलीग्राफी टेस्ट के लिए भी तैयार, डॉक्टरों का प्रदर्शन जारी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर करने वाले आरोपी संजय रॉय को सियालदह की स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। संजय पॉलीग्राफी टेस्ट के लिए भी तैयार हो गया है। सीबीआई ने उसके पॉलीग्राफी टेस्ट की मांग की थी। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त को एक ट्रेनी डॉक्टर से रेप और मर्डर के विरोध में कोलकाता के डॉक्टर्स आज 15वें दिन (23 अगस्त) भी हड़ताल पर हैं। उन्होंने कहा- हमें न्याय नहीं मिला है। इसलिए काम पर नहीं लौटेंगे। इधर, दूसरे संगठनों ने हड़ताल खत्म कर दी। मुख्य आरोपी संजय रॉय को जेल हो गई है।

# आनंद विभाग, अन्य विभागों से समन्वय कर गतिविधियों का संचालन करें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

## प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थान में किया जाएगा हैप्पीनेस के पैमाने का अध्ययन, मूल्यांकन और शोध



**भोपाल (नप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय संस्कृति के आदर्श पुरुषों और ऐतिहासिक पात्रों के जीवन से आज के युवा वर्ग को सीख देने के लिए अन्य विभागों से समन्वय कर रूपरेखा तैयार कर गतिविधियों का संचालन करें। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति के आदर्श महापुरूषों पर प्रकाशित कृतियों को आनंद विभाग विद्यालय एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों तक पहुंचाएँ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने जगत के कल्याण के लिए अनेक कार्यों का अंतिम लक्ष्य प्राप्ति तक नेतृत्व किया। उनके परिवार के सदस्यों ने भी अन्य लोगों के सुख एवं आनंद के लिए त्याग किया। इतिहास में ऐसे अनूठे उदाहरण मिलते हैं कि दूसरों के आनंद के लिए लोगों ने अपने जीवन और आनंद का परित्याग कर दिया। इतिहास के ऐसे अध्याय और विशिष्ट प्रसंग वर्तमान पीढ़ी के संज्ञान में लाने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज मंत्रालय में आनंद विभाग एवं राज्य आनंद संस्थान के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि हैप्पीनेस के पैमाने के मूल्यांकन के लिए प्रदेश के किसी उच्च शिक्षा संस्थान अथवा आई. आई. टी. के सहयोग से अध्ययन किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वैचारिक और रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रत्येक जिले में एक केंद्र अथवा भवन होना चाहिए जिसमें नगरीय विकास विभाग की सहभागिता भी हो। ये भवन मांगलिक भवन से भिन्न हो और यहाँ शहर के प्रबुद्ध वर्ग के साथ आम नागरिकों की उपस्थिति में रचनात्मक कार्यक्रम संचालित होना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आनंद विभाग अपनी गतिविधियों का संचालन, खेल, स्कूल, उच्च शिक्षा विभाग और जन अभियान परिषद जैसी संस्थाओं का सहयोग लेकर संयुक्त रूप से करें।

### प्रशिक्षण के लिये विभागीय योजना तैयार

बैठक में बताया गया कि तनाव मुक्ति और आनंदित व्यवहार के प्रशिक्षण के लिए आनंद विभाग ने योजना तैयार की गई है। इसमें ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, पटवारी, नगर निगम और नगर पालिका के कर्मचारी एवं पुलिसकर्मी शामिल किए जाएंगे।

### आनंद ग्राम होंगे विकसित

विभाग आनंद ग्राम विकसित करने का कार्य कर रहा है। पायलट आधार पर ऐसे ग्राम, जहां सद्भावना, भाईचारा, परस्पर सहयोग और आनंद का भाव प्रमुख हो, उन्हें उदाहरण के रूप में सामने लाया जाएगा।

### अब तक 3334 कार्यक्रम आयोजित

मध्यप्रदेश में वर्ष 2016 में गठित आनंद विभाग द्वारा अब तक 3334 कार्यक्रम आयोजित किया जा चुके हैं। ऑनलाइन अल्पविराम कार्यक्रम भी हुए हैं। इनमें 17 हजार से अधिक प्रतिभागी शामिल हो चुके हैं। प्रदेश में 560 से अधिक आनंद क्लब पंजीकृत हैं जो रक्तदान, भोजन एवं सामग्री दान, आपदा में सहयोग के साथ ही शिक्षा, पर्यावरण और स्वच्छता के कार्यों के साथ बालिकाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दे चुके हैं। निराश्रितों की सहायता और उपचार के कार्यों भी किए गए हैं।

# पांढुर्णा में बस खाई में गिरी, पांच की मौत

## 39 घायलों में 16 की हालत गंभीर नागपुर में भर्ती, यात्री बोले-चीख-पुकार से खुली नींद

**पांढुर्णा (नप्र)।** भोपाल से हैदराबाद जा रही यात्री बस गुरुवार रात करीब साढ़े 10 बजे पांढुर्णा के मोहि घाट पर पलट गई। हादसे में अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि 39 घायल हैं। इनमें से 16 लोगों के गंभीर हालत में नागपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। वहीं, पुलिस ने बस ड्राइवर पर केस दर्ज कर लिया है।

एसडीओपी बृजेश भार्गव ने बताया कि भोपाल से हैदराबाद जा रही वर्मा कंपनी की बस तिगांव के मोहि घाट पर पहले डिवाइडर से टकराई। इसके बाद एक छोटी पुलिया को तोड़कर 20 से 25 फीट गहरी खारी में गिर गई। मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। घायलों के मुताबिक सभी लोग नींद में थे। जैसे ही बस पलटी तो चीख-पुकार मच गई।

**सीएम ने की 2-2 लाख की आर्थिक सहायता की घोषणा** - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है।

**18 घायल नागपुर रेफर, इनमें से 2 की मौत-** डॉक्टर मिलिंद गजभिए के मुताबिक, अस्पताल पहुंचे सभी घायलों का बगैर समय गंवाए इलाज शुरू किया। कुल 18 घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद अलग-अलग वाहनों से नागपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। इनमें से भी दो लोगों की मौत हो चुकी है।

### खाना खाकर निकले और 20 मिनट बाद हादसा

भोपाल से हैदराबाद जा रहे रोहित कुमार ने बताया कि ड्राइवर ने एक ढाबे पर खाना खाने के लिए बस रोकी थी। यहां सभी यात्रियों ने खाना खाया। इसके बाद बस रवाना हो गई और महज 20 मिनट बाद ये हादसा हो गया। हादसा ज्यादा बारिश होने के कारण हुआ होगा।

### 110 से 120 किमी प्रति घंटे थी बस की स्पीड

बस में सवार होकर भोपाल से पांढुर्णा आ रहे बस यात्री अभिजीत कडू, सोहम कडू ने बताया कि बस की स्पीड 110 से 120 किमी प्रति घंटे की थी। साथ ही बारिश लगातार जारी थी। इस दौरान यह हादसा हुआ।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c

न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शनिवार, 24 अगस्त 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

# अंतरिक्ष से वापसी में सुनीता विलियम्स के सामने बड़ा खतरा

**वॉशिंगटन (एजेंसी)।** अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स स्पेस में फंसी हैं। वह अपने साथी बुच विल्मोर के साथ बोइंग स्टारलाइनर के जरिए अंतरिक्ष में गई थीं। 5 जून को अंतरिक्ष के लिए उन्होंने उड़ान भरी थी। स्पेस से उन्हें 8 दिनों बाद आना था लेकिन दो महीने के बाद भी उनकी वापसी नहीं हो पाई है। बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान में हीलियम लीक और थ्रस्टर में खराबी देखी गई। इस बीच खबर आई है कि अगर उनकी वापसी स्टारलाइनर से होती है तो उनकी जान को खतरा हो सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी सैन्य अंतरिक्ष प्रणालियों के पूर्व कमांडर रूडी रिडोल्फी ने वायुमंडल में पुनः प्रवेश से जुड़े जोखिमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अंतरिक्ष यान की री-एंट्री में गड़बड़ी हुई तो बड़ा रिस्क पैदा हो जाएगा। थ्रस्टर में खराबी आ जाती है तो स्टारलाइनर अंतरिक्ष में फंस सकता है। तब अंतरिक्षयात्रियों के पास सिर्फ 96 घंटे का ऑक्सीजन रह जाएगा। उनका कहना है कि पुनः प्रवेश के दौरान गलत संरेखण से कैप्सूल वायुमंडल में उछल सकता है और कक्षा में बना रह सकता है। वहीं वह गलत कोण होने से स्टारलाइनर के जल जाने की भी आशंका जताते हैं, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों की जान खतरे में आ जाएगी। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी 'नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन' (नासा) इस सप्ताहांत में यह फैसला करेगी कि बोइंग का नया कैप्सूल अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से सुनीता विलियम्स समेत उन दो अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी के लिए सुरक्षित है या नहीं, जो जून से पृथ्वी पर लौटने का इंतजार कर रहे हैं। नासा प्रशासक बिल नेल्सन और अन्य शीर्ष अधिकारी शनिवार को बैठक करेंगे जिसके बाद इस संबंध में घोषणा होने की संभावना है। अंतरिक्ष यात्रियों सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर ने पांच जून को बोइंग के स्टारलाइनर से अंतरिक्ष में उड़ान भरी थी।

**नासा बना रहा प्लान**

- **सिर्फ 96 घंटे के ऑक्सीजन के साथ फंस जाएंगी स्पेस में**

## संक्षिप्त समाचार

### अयोध्या में रामलला के 3 मूर्तिकारों को 75-75 लाख मिले

ट्रस्ट ने 18 फीसदी जीएसटी भी दिया, अब तक 2 करोड़ 85 लाख भक्तों ने किए दर्शन

**अयोध्या (एजेंसी)।** अयोध्या में राम मंदिर के फर्स्ट फ्लोर पर टाइटेनियम का राम दरबार बनाया जाएगा। यहां लगने वाली मुख्य मूर्ति सफेद संगमरमर की होगी। भगवान राम और उनके तीनों भाइयों, मां सीता और हनुमान की मूर्तियों की ऊंचाई करीब एक फीट होगी। जो उत्सव मूर्ति के रूप में स्थापित होंगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रामलला की मूर्ति बनाने वाले तीनों मूर्तिकारों को 75-75 लाख रुपए 18 फीसदी जीएसटी के साथ ट्रस्ट ने

दिया है। प्राण प्रेस्थ के बाद अब तक 2 करोड़ 85 लाख भक्त रामलला के दर्शन कर चुके हैं। यह जानकारी ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने दी। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में 37 साल के मूर्तिकार अरुण योगीराज की बनाई मूर्ति स्थापित की गई है। वह मैसूर महल के कलाकारों के परिवार से आते हैं। उन्होंने 2008 में मैसूर विश्वविद्यालय से एमबीए किया, फिर एक निजी कंपनी के लिए काम किया। इसके बाद मूर्ति बनाने के पेशे में आए।

### हेमंत सोरेन की 'मईयां' ने बढ़ाई बीजेपी की टेंशन

झारखंड चुनाव में शिवराज की काट उनके ही हथियार से

**रांची (एजेंसी)।** झारखंड विधानसभा चुनाव में किला फतह करने के लिए झारखंड की सभी पार्टियां ऐक्टिव हो गई हैं। सीएम हेमंत सोरेन इंडिया ब्लॉक की ताकत मजबूत करने के लिए सरकार की योजनाओं पर भरोसा कर रहे हैं तो भाजपा ने एनडीए की कामयाबी के लिए हेमंत सरकार की नाकामी गिना रही है। झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ, धर्मांतरण, बेरोजगार युवाओं के साथ छल और भ्रष्टाचार के साथ बेकाबू अपराध को भाजपा ने उछालना शुरू कर दिया है। भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज



सिंह चौहान ने जिस तरह झारखंड में अपराध के आंकड़ों का पाठ किया, उससे यही लगता है कि यह एनडीए का एक और मुद्दा बनने वाला है। इधर हेमंत सोरेन ने अपनी मईयां योजना से भाजपा के सामने बड़ी मुसीबत खड़ी कर दी है। मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान की लाडली बहना की तर्ज पर हेमंत सोरेन ने झारखंड में मईयां योजना शुरू कर दी है। तकरीबन 47-48 लाख महिलाएं पहली बार योजना से लाभान्वित हो रही हैं। सीएम हेमंत सोरेन बारी-बारी जिलों में जाकर लाभुकों को हर महीने एक हजार रुपये की पेंशन बांट रहे हैं। यह वृद्धावस्था पेंशन से अलग है। इसके लिए 21 से 50 की उम्र ही पर्याप्त है।

# नेपाल में बड़ा हादसा, यूपी की बस नदी में गिरी

- **15 यात्रियों की मौत, 25 से अधिक की तलाश जारी**
- **पर्यटकों से भरी थी बस, 43 लोग सवार थे, कई लापता**

**गोरखपुर (एजेंसी)।** यूपी के गोरखपुर से पर्यटकों को लेकर नेपाल गई एक भारतीय बस शुक्रवार को पोखरा से काठमांडू के बीच तनहु जिले के अबुखैरेनी में मार्सयांगडी नदी में गिर गई है। बस में कुल 43 लोग सवार थे। अब तक 15 शव निकाले जा चुके हैं जबकि बाकी लापता हैं। सभी यात्री महाराष्ट्र के रहने वाले थे। बस गोरखपुर के केसरवानी ट्रैवल्स की बताई जा रही है। बस का ड्राइवर मुर्तजा गोरखपुर का रहने वाला था, हादसे में उसकी भी मौत हो गई है। तनहु के एसपी बीरेंद्र शाही ने बताया कि मार्सयांगडी नदी में बस अंबुखैरेनी ग्रामीण नगर पालिका के वार्ड नंबर 2 स्थित ऐन पहरा से नदी में गिर गई। स्थानीय पुलिस कार्यालय के निरीक्षक अबू खैरेनी में मौके पर पहुंच गए हैं। सेना और सशस्त्र बलों को सूचित कर दिया गया है। पोखरा से काठमांडू जाने वाली बस नम्बर यूपी 53 एफटी 7633 बताया गया है। बस में चालक-परिचालक समेत 43 लोगों के सवार होने की जानकारी सामने आ रही है। पुलिस राहत बचाव के लिए पहुच गयी है। नेपाल पुलिस ने बताया कि बचाव कार्य चल रहा है।

- **सीएम योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लिया**

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नेपाल बस हादसे का संज्ञान लिया है। सीएम योगी के निर्देश पर रिलीफ कमिश्नर जीएस नवीन ने नेपाल सरकार के अधिकारियों से बात की। नेपाल में तैनात भारतीय पुलिस के सीनियर अधिकारियों के साथ कोऑर्डिनेट किया जा रहा है। यूपी सरकार के रिलीफ कमिश्नर ने बताया कि यह एक ट्रैवलर बस थी। इसलिए बस में यूपी और दूसरे राज्यों के लोगों के होने की भी संभावना है। नेपाल के अधिकारियों से संपर्क करके लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। महराजगंज के एसडीएम और एडीएम को नेपाल भेजा गया है। बस के मालिक विष्णु केसरवानी ने बताया कि हमारी तीन बसें गोरखपुर से नेपाल गई थीं। इनमें महाराष्ट्र के लोग थे।

### अलकायदा से जुड़े रांची के डॉक्टर इश्तियाक के तार

- अलकायदा मॉड्यूल का मास्टरमाइंड निकला, हथियार, कई फोन मिले

**रांची (एजेंसी)।** झारखंड एटीएस ने दिल्ली पुलिस के साथ गुरुवार को रांची, हजारीबाग और लोहरदगा में 16 जगहों पर छापेमारी की। इसके बाद 9 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। इसमें रांची के मेडिका अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट के पद पर कार्यरत डॉ. इश्तियाक अहमद को भी एटीएस ने पकड़ा है। रांची के जोड़ा तालाब स्थित अपार्टमेंट से पकड़ा गया डॉ. इश्तियाक 6 साल से रेडियोलॉजिस्ट के पद पर था। एटीएस का दावा है कि डॉ. इश्तियाक अलकायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट आतंकी संगठन का मास्टरमाइंड है। वह भारत को इस्लामिक स्टेट बनाने का मंसूबा रच रहा था। एटीएस ने चान्हो के 6 स्थानों में दबिश दी। 4 लोगों को हिरासत में लिया। 3 लोग नहीं मिले। हिरासत में लिए गए लोगों में बलसोकरा का मो. मोदब्बीर, मो. रिजवान, चटवल का मफ्ती रहमतुल्लाह मजहिरी और पिपराटोली का मतिउर रहमान शामिल है। वहीं एनामुल अंसारी और शहबाज घर में नहीं मिले। परिजनों ने बताया गया कि एनामुल परीक्षा देने दिल्ली गया है। शहबाज तबलीगी जमात में गया है। टीम ने हजारीबाग के लोहसिंघना चौक से फैजान अहमद (45) को हिरासत में लिया है। फैजान को डॉ. इश्तियाक अहमद का करीबी बताया जा रहा है।

# बांग्लादेश में बाढ़ के लिए हमारा भारत जिम्मेदार नहीं

**विदेश मंत्रालय ने साफ की अपनी स्थिति, जारी किया बयान**

**यूनुस सरकार का आरोप-चेतावनी बगैर डैम से पानी छोड़ा**

**ढाका (एजेंसी)।** भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा है कि बांग्लादेश में आई बाढ़ के लिए भारत जिम्मेदार नहीं है। विदेश मंत्रालय ने कहा, बांग्लादेश में यह अफवाह है कि बाढ़ की वजह त्रिपुरा में डंबूर बांध का दरवाजा खोलना है। यह सच नहीं है। मंत्रालय ने कहा कि भारत और बांग्लादेश से होकर बहने वाली गोमती नदी के आस-पास के इलाके में इस साल की सबसे ज्यादा बारिश हुई है। इस वजह से दोनों तरफ समस्या हुई है। दोनों देशों के बीच मौजूद नदियों में आने वाली बाढ़ एक साझा समस्या है, जिससे दोनों देशों के लोगों को जूझना पड़ता है। इससे निपटने के लिए दोनों देशों के सहयोग की जरूरत है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि डंबूर बांध बांग्लादेश की सीमा से 120 किलोमीटर से अधिक दूर है। यह कम ऊंचाई (करीब 30 मीटर) का बांध है, जो बिजली पैदा करता है और वह बिजली ग्रिड में जाती है। इससे बांग्लादेश को भी त्रिपुरा से 40 मेगावाट बिजली मिलती है। दरअसल बांग्लादेश में 12 जिलों में भीषण बाढ़ आई है। दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश में 36 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। सैकड़ों घर पानी में डूब गए हैं और लोग छतों पर फंसे हुए हैं।

### हो सकता है मेरी जानकारी निकालने दी गई हो सुरक्षा

- जेड प्लस सुरक्षा के बाद शरद पवार को सता रही है चिंता

**मुंबई (एजेंसी)।** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार को हाल ही में केंद्र सरकार ने जेड+ सुरक्षा प्रदान की है। खबरें हैं कि पवार हैरानी जता रहे हैं कि नई सुरक्षा मेरे बारे में प्रमाणिक जानकारी निकालने का एक तरीका हो सकता है। जेड प्लस सुरक्षा सशस्त्र वीआईपी सुरक्षा की सर्वोच्च श्रेणी है। महाराष्ट्र में इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पवार ने कहा, गृहमंत्रालय के एक सूत्र ने मुझे बताया कि सरकार ने तीन लोगों को जेड प्लस सुरक्षा देने का फैसला किया है और उनमें से एक मैं हूं। मैंने पूछा कि दो अन्य लोग कौन हैं, तो मुझे बताया कि एक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह हैं। उन्होंने कहा, चुनाव नजदीक आ रहे हैं, हो सकता है कि (मेरे बारे में) प्रमाणिक जानकारी निकालने की व्यवस्था की जा रही हो। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) से महाराष्ट्र के 83 वर्षीय पूर्व मुख्यमंत्री को सुरक्षा मुहैया कराने को कहा है। इस कार्य के लिए सीआरपीएफ के 55 सशस्त्र जवानों की एक टीम को तैनात किया गया है।

# ईमेल-सोशल मीडिया पोस्ट में गलत शब्द लिखना भी अपराध

**बॉम्बे हाईकोर्ट बोला-**

**इससे भी महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचती है**

**मुंबई (एजेंसी)।** बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले मामले में सुनवाई की। जस्टिस एएस गडकरी और नीला गोखले की बेंच ने कहा कि ईमेल, सोशल मीडिया पर लिखे गए ऐसे शब्द जो किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचा सकते हैं तो वो आईपीसी की धारा 509 के तहत अपराध है। दरअसल, बेंच ने 2009 के मामले में सुनवाई की। केस में शिकायतकर्ता महिला है। उसने एक व्यक्ति के खिलाफ आईपीसी की धारा 509 के केस दर्ज कराया था। महिला का आरोप था कि साउथ मुंबई की एक सोसायटी में रहे के दौरान व्यक्ति ने उसके खिलाफ आपत्तिजनक और अपमानजनक ईमेल लिखे थे। मेरे चरित्र पर टिप्पणी की गई थी। और इन ईमेल को सोसायटी के दूसरे लोगों को भी भेजा गया था। महिला के दर्ज कराए केस को खारिज करने की मांग को लेकर व्यक्ति ने हाईकोर्ट का रुख किया था। उसकी दलील थी कि धारा 509 में बोले गए शब्द का मतलब केवल बोले गए शब्द होंगे न कि ईमेल या सोशल मीडिया पोस्ट आदि में लिखे गए शब्द। कोर्ट ने धारा 354 के तहत लगाए आरोप हटाए।

### वक्फ संशोधन विधेयक पर बढ़ेगी बीजेपी की टेंशन

चिराग, चंद्रबाबू के बाद नीतिश की पार्टी ने भी त्योरी भौंह

**पटना (एजेंसी)।** वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर बीजेपी को एक और सहयोगी से झटका लगता दिख रहा है। केंद्र में नरेंद्र मोदी की तीसरी बार सरकार बनाने में अहम सहयोगी जनता दल युनाइटेड (जेडीयू) ने वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर चिंता जताई है। गौर करने वाली बात यह है कि एनडीए खेमे में जेडीयू तीसरी पार्टी है जिसने इस बिल को लेकर अपनी अलग राय रखी है। इससे पहले चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) इस विधेयक पर सवाल उठा चुकी है। वहीं आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी ने भी इससे नाखुश है। माना जा रहा है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की पार्टी जेडीयू 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की 18 फीसदी मुस्लिम आबादी को नाखुश नहीं करना चाहती है।

# यूपी में उपचुनाव की जमीन तैयार कर रहे सीएम योगी!

**अखिलेश के पीडीए के सामने लॉन्च किया ऐक्शन प्लान का एसएस मॉड्यूल**

**लखनऊ (एजेंसी)।** सीएम योगी आदित्यनाथ गुरुवार को मुजफ्फरनगर के मीरापुर विधानसभा में थे। इस दौरान इन्होंने 310 करोड़ से अधिक योजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। नियुक्ति पत्र बांटे और विपक्ष पर इस बहाने सवाल उठाए। मीरापुर यूपी की उन 10 विधानसभाओं में शामिल है जिन पर उपचुनाव होने हैं। दरअसल, संवाद और सौगात यानी 'एसएस' प्लान के जरिए सीएम ने भाजपा के लिए उपचुनाव की जमीन तैयार करनी शुरू कर दी है। यूपी में 10 सीटों पर उपचुनाव होने हैं। ये सीटें गाजियाबाद, खैर, मीरापुर, कुंदरकी, करहल, कटेहरी, मिल्कीपुर, सीसामऊ, मझवां और फूलपुर हैं। इनमें 5 सीटें अभी एनडीए के पास थी जबकि 5 विपक्षी गठजोड़ इंडिया के पास थीं। दोनों ही पक्ष इनको अपने पाले में करने के लिए जोर लगा रहे हैं। इसी कड़ी में सीएम ने विकास, संवाद और साथ के जरिए उपचुनाव को साधने की कोशिश शुरू की है। क्षेत्रों में पहुंचने से पहले मंत्रियों की टोली, जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद के जरिए यहां के मसलों और मूड को भी वह टटोल रहे हैं। हालिया लोकसभा उपचुनाव में भाजपा को झटका लगा है।

# कृष्ण को योगेश्वर श्रीकृष्ण की पहचान देने वाले चारों धाम है मध्यप्रदेश में : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

**● म.प्र.में जहां श्रीकृष्ण के चरण पड़े..वे स्थल तीर्थ बनेंगे ● भगवान श्रीकृष्ण ने सांदीपनि आश्रम से शिक्षा, नारायणा से मित्रता, अमझेरा से वीरता और जानापाव से विनम्रता का दिया संदेश ● मुख्यमंत्री ने जन्माष्टमी पर्व पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं**

**भोपाल (नप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश, भगवान श्रीकृष्ण और भगवान श्रीराम के वास से प्रेरित और पावन भूमि है। हमारा सौभाग्य है भगवान श्रीकृष्ण, कंस वध के बाद उज्जैन के सांदीपनि आश्रम से शिक्षा ग्रहण करते हैं और जीवन में श्रीकृष्ण के रूप में दुनिया में जाने जाते हैं। ये मध्यप्रदेश का सौभाग्य है कि नारायणा में भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता हुई। भगवान ने परम मित्रता का संदेश देते हुए बताया कि मित्रता में गरीब-अमीर का अंतर नहीं होता। धार के पास अमझेरा में वीरता के बल पर रुक्मणी हरण में भगवान ने रुक्मी को हाराया। इंदौर के पास जानापाव में विनम्रता और श्रद्धा से भगवान श्रीकृष्ण ने परशुराम जी से सुदर्शन चक्र प्राप्त किया। मध्यप्रदेश के यह चारों धाम भगवान श्रीकृष्ण के उस इतिहास को जीवंत करते

हैं, जिसके आधार पर श्रीकृष्ण की लीला विश्व में योगेश्वर श्रीकृष्ण के रूप में पहचानी गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जन्माष्टमी के अवसर पर हम सब मिलकर प्रदेश के इन स्थानों का स्मरण करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जहां-जहां भगवान श्रीकृष्ण के चरण पड़े हैं उन सभी स्थानों को राज्य सरकार ने तीर्थ के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जन्माष्टमी पर्व पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं और बधाई देते हुए कहा कि प्रयास यह हो कि आधुनिक समय में भगवान श्रीकृष्ण के इतिहास को जीवंत करते हुए, हम उनकी मित्रता, वीरता, विनम्रता और शिक्षा ग्रहण करने के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं और उसे आत्मसात करें।

## भोपाल में कैदी थामेंगे पेट्रोल पंप का नोजल

### शहर में जेल विभाग का पहला पेट्रोल पंप बनकर तैयार, मैनेजमेंट होगा प्रहरियों के हाथ

**भोपाल (नप्र)।** जिन हाथों में कभी तलवार, छुरी, कट्टे और पिस्टल होते थे, आम लोग इनके करीब जाने से भी सहम जाते थे। उन हाथों में अब पेट्रोल पंप का नोजल थमा नजर आएगा। जी हां, हम बात कर रहे हैं, उन कैदियों की जो गंभीर अपराधों में जेल में बंद हैं।

दरअसल, भोपाल में पहली बार सेंट्रल जेल के पेट्रोल पंप की शुरुआत होने जा रही है। यह पंप जेल के मुख्य द्वार के ठीक सामने एयरपोर्ट रोड पर बनकर तैयार हो चुका है।

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम की मदद से तैयार इस पेट्रोल पंप का इनोग्रेशन अगले महीने होना तय है। इस पेट्रोल पंप में 9 ओपन जेल के बंदी रिफिलिंग से लेकर अन्य काम देखेंगे। जबकि मैनेजमेंट का काम दो प्रहरियों के हाथ रहेगा। इसके लिए जेल बंदियों और प्रहरियों का प्रशिक्षण भी शुरू हो चुका है। जेल अधीक्षक राकेश भांगरे के मुताबिक 9687 स्क्वायर फीट में इस पेट्रोल पंप का निर्माण कराया गया है। हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपी) ने इस पेट्रोल पंप का निर्माण किया है। जमीन जेल विभाग ने दी थी। इसको शुरू करने के लिए जो पेट्रोल और डीजल चाहिए होगा, उसके लिए लोन पर एचपी कंपनी से लिया जाएगा। बाद में इस लोन को धीरे-धीरे चुकाया जाएगा। इस पेट्रोल पंप का संचालन ओपन जेल के कैदी और मैनेजमेंट प्रहरी करेंगे। इस काम को बेहतर ढंग से कराने के लिए बंदियों और प्रहरियों की ट्रेनिंग कराई जा रही है।

#### 24 घंटे सातों दिन खुलेगा पंप

आने वाले समय में पेट्रोल पंप 3 पारियों में 24 घंटे संचालित किए जाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। रिस्पॉन्स बेहतर होने की हालत में आगे जाकर इस पंप में प्रत्येक शिफ्ट में 9 बंदी काम करेंगे, इस प्रकार रोजाना 30 बंदियों को रोजगार मिलेगा। उन्हें करीब 500 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से मेहनताना हिंदुस्तान पेट्रोलियम की ओर से दिया जाएगा।

#### इन विभागों से लेनी पड़ी एनओसी

जेल प्रशासन को यहां पेट्रोल पंप संचालन के लिए आधा दर्जन से अधिक विभागों नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, वन विभाग सहित एसडीएम एवं जिला कलेक्टर तक से एनओसी लेनी पड़ी। इस पूरी प्रक्रिया में करीब एक साल का समय लग गया था।

#### इंदौर में शुरू हुआ था जेल विभाग का पहला पेट्रोल पंप

सेंट्रल जेल के अधीक्षक राकेश भांगरे मुताबिक वर्ष 2020 में इंदौर शहर में इंडिया ऑयल के सहयोग से जेल विभाग का पहला पेट्रोल पंप बनाया गया। इसके बाद सागर टीकमगढ़ में जेल विभाग के पेट्रोल पंप का संचालन किया जा रहा है।

## भोपाल में छात्र ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

### अकेलेपन से डिप्रेशन में था, कॉलेज से लौटे भांजे ने देखा शव

**भोपाल (नप्र)।** मिसरोद थाना इलाके में स्थित बंगरसिया इलाके में एक छात्र ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। वह पैरामेडिकल का डिप्लोमा कोर्स कर रहा था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा पंचनामा बनाकर जांच शुरू की। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट नहीं मिला है जिसके कारण खुदकुशी की वजह पता नहीं चल सकी है। हालांकि मृतक के भांजे ने पुलिस को बताया कि मामला अकेलेपन से तनाव में रहते थे। पुलिस का कहना है कि परिजनों के डिटेल बयानों के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

पुलिस ने बताया कि 21 वर्षीय राहुल कुमार सिंह मूलतः बिहार के वैशाली जिले का रहने वाला था। भोपाल में वह बंगरसिया इलाके में किराए के मकान में रहता था तथा एक निजी संस्थान से पैरामेडिकल डिप्लोमा कोर्स कर रहा था। राहुल के साथ उसका भांजा भी रहता है वह भी एक निजी कालेज पढ़ाई कर रहा है। राहुल का सगा भाई भी भोपाल के ही एक कॉलेज में भी पढ़ाई कर रहा है वह रायसेन इलाके में किराए के मकान में रहता है।

#### भांजे के साथ कॉलेज के लिए निकला था

रोजाना की तरह राहुल और उसका भांजा सुबह कॉलेज चले गए थे। शाम करीब पांच बजे भांजा जब वापस आया तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। बार-बार दरवाजा खट टाने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो भांजे ने खिड़की से अंदर झांककर देखा। अंदर राहुल फांसी के फन्दे पर लटका दिखाई दिया। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। भांजे ने पुलिस को बताया कि अकेले पन का जिक्र करते हुए मामा मां-पिता को याद किया करते थे। अकसर कहते थे कि परिवार के बगैर यहां दिल नहीं लगता।

## कलेक्टर कराएंगे तहसीलदारों से वाटर टैक्स रिकवरी

### पावर प्लांट लगाने वाली निजी कंपनियों ने दबाए सरकार के 395 करोड़

**भोपाल (नप्र)।** मध्य प्रदेश में पावर प्लांट लगाने वाली निजी कंपनियां राज्य सरकार के 395 करोड़ रुपए दबाकर बैठी हैं। जल संसाधन विभाग के अफसर इन कंपनियों से बकाया राशि की वसूली नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में अब कलेक्टरों और तहसीलदारों की मदद से राशि वसूली कराने के निर्देश विभाग के अफसरों को दिए हैं।

जल संसाधन विभाग की ओर से निर्देश दिए जाने के बाद अब जिलों में पावर प्लांट चलाने वाली निजी कंपनियों के विरुद्ध तहसीलदारों के माध्यम से आरआरसी जारी की जाएगी।

**बकाया वाटर टैक्स जमा नहीं कर रही फैक्ट्रियां-** निजी पावर प्लांट लगाने वाली कंपनियों को राज्य शासन के जल संसाधन विभाग द्वारा नदियों का जल प्रदाय किया जाता है। इसके लिए हर साल दी जाने वाली जल की मात्रा हर फैक्ट्री के हिसाब से तय होती है।

## जीआईएस तकनीक पर महिला जनप्रतिनिधियों की भोपाल में ट्रेनिंग

### भाजपा के पूर्व प्रभारी बोले-सभी सीएम बुलाने लायक नहीं होते, मोहन यादव की शिक्षा में विशेष रुचि

**भोपाल (नप्र)।** नेशनल स्पेस डे के मौके पर भोपाल के अटल बिहारी वाजपेई सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में मप्र के अलग-अलग जिलों की महिला जनप्रतिनिधि जियो स्पेटियल (भू-स्थानिक) कैपेसिटी बिल्डिंग ट्रेनिंग में प्रशिक्षण ले रहीं हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, एमपी बीजेपी के पूर्व प्रदेश प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे, और महिला आयोग की सदस्य सचिव मीनाक्षी नेगी शामिल हुईं।

#### सहस्त्रबुद्धे बोले- हर सीएम बुलाने लायक नहीं होते, मोहन जी की शिक्षा में विशेष रुचि

प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में बताते हुए मप्र भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रभारी और रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी के उपाध्यक्ष विनय सहस्त्रबुद्धे ने कहा कुछ दशक पहले जब भारत ने पहले अंतरिक्ष यात्रियों को भेजा था। उन यात्रियों ने अंतरिक्ष से जब इंदिरा गांधी को फोन किया तो प्रधानमंत्री ने पूछा कि वहां से कैसा लगता है भारत तो उन्होंने कहा कि सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा। उन्होंने कहा कि दूर से तो भारत अच्छा दिखता ही है वह निकट से भी दिखे इसके लिए जो विज्ञान तंत्र को जोड़कर हमारे गवर्नर को इस देश में समावेश करने की आवश्यकता है। इसके लिए भारत सरकार ने एक महत्वकांक्षी कार्यक्रम हाथ में लिया है। विनय सहस्त्रबुध्दे इस कार्यशाला में कहा ये बहुत अच्छी बात है अब तक इतने वर्कशॉप हुए मगर, कभी मुख्यमंत्री जी आए नहीं। ये बात अलग है कि सभी मुख्यमंत्री बुलाने लायक नहीं होते। मगर ये मुख्यमंत्री ऐसे हैं जो उच्च विद्या विभूषित हैं। इनका शिक्षा से शुरु से संबंध रहा है। ये पहले प्रदेश के शिक्षा मंत्री थे। मैं मानता हूं कि ऐसे ज्ञान के क्षेत्र के प्रतिनिधि ऐसे हमारे मुख्यमंत्री की उपस्थिति में इस कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

#### सीएम बोले- ज्योतिष गणना के आगे आज का गणित फेल

कार्यक्रम में सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा- हम अपनी बात की शुरुआत सौर मंडल की उत्पत्ति से शुरु करते है। पृथ्वी के ग्रह मंगल को मानते हैं। कोई उल्का पिंड गिरा जिससे मंगल की उत्पत्ति हुई। पंचाग पद्धति से सभी प्रकार के ग्रह नक्षत्र आज भी सूर्य ग्रहण, चंद्र ग्रहण का समय बता पा रहे हैं। ज्योतिष गणना के बलबूते पर हमारा आज का गणित फेल है। आज से हजार साल पहले का भी तुरंत निकाल लेते है। सूर्य ग्रहण, चंद्र ग्रहण कब, कितने समय में होगा यह सटीक रुप से बता पाते हैं।

सीएम ने कहा- अंतरिक्ष की बात आती है तो उपग्रह की बात आती है। उपग्रह आती है सूर्य के 29 उपग्रह हैं। लेकिन हमारे लिए पृथ्वी पर एक ही उपग्रह है। उज्जैन में साइंस टैकनोलोजी डिपार्टमेंट ने एक तारामंडल बनाया है। एक महिने के अंदर चन्द्रमा चक्कर लगाती है। प्रधानमंत्री के प्रयासों से चंद्रयान 3 की सफल लेंडिग हुई। जिसमें हमारी एक बेटी ने अपना चन्द्रमा उतारा। जिसमें बहनों का विशेष योगदान रहा है। जिससे हमारा चन्द्रमा चालू हो गया।

## सीएस-लोकायुक्त के नाम जीतू पटवारी का पत्र

### कहा- नीमच, रतलाम में दलित-आदिवासियों की जमीनें बेचने की मंजूरी देने वाले कलेक्टरों को जेल भेजें

**भोपाल (नप्र)।** एमपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मालवा अंचल में दलित, आदिवासियों की पट्टे की जमीनें नियम विरुद्ध तरीके से बेचने के मामले में रिटायर्ड आईएएस अफसरों पर कार्रवाई के लिए लोकायुक्त को पत्र लिखा है। पटवारी ने मप्र की मुख्य सचिव और लोकायुक्त को पत्र भेजा है। इस पत्र में पटवारी ने नीमच के पूर्व कलेक्टर अजय सिंह गंगवार, रतलाम के पूर्व एसडीएम कैलाश बुंदेला, और आईएएस आरएस थेटे की शिकायत की है। पटवारी ने शिकायत में जिन अफसरों का उल्लेख किया है उनमें अजय सिंह गंगवार, आरएस थेटे रिटायर हो चुके हैं।

#### जीतू पटवारी ने सीएस और लोकायुक्त को लिखा पत्र

पटवारी ने अपने पत्र में लिखा- रतलाम जिले के बाजना सैलाना में भी जनजाति के पट्टों की अनुमति धड़ल्ले से दी जा रही है। नीमच में कलेक्टर पद पर रहते हुए, पूर्व कलेक्टर अजय सिंह गंगवार ने मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता की धारा 181 के अंतर्गत शासकीय पटटे की भूमि अहस्तांतरणीय भूमि को बेचने की थोकबंद 24 अनुज्ञाएं जारी कर दी है। आरसीएमएस की ऑनलॉईन वेबसाईट का अवलोकन करने पर पता चलता है कि कलेक्टर अजय गंगवार ने भू राजस्व संहिता की धारा 165 के अंतर्गत लगभग 100 से अधिक अनुज्ञाएं जारी कर दी हैं।

जबकि, उज्जैन व रतलाम जिले के अंतर्गत इस प्रकार की अनुज्ञाएं दिए जाने के मामलों को पूर्व संभागायुक्त एमबी ओझा ने संज्ञान में लेकर मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता की धारा 32, 50 ए के अंतर्गत पुनरीक्षण में लिया था। इस प्रकार गंभीर अनियमितता करते हुए मप्र भू राजस्व संहिता की धारा 165 (6) की मूल भावना के अनुरूप अनुसूचित जाति और जनजाति और आदिवासी खातेदारों के हितों का संरक्षण नहीं किया जाकर धारा 165(6) के प्रावधानों का पालन नहीं करते हुए अनुसूचित जाति एवं जनजाति और आदिवासी के खातेदारों की जमीन बेचने की अनुमति दी गई है। ऐसा लेख करते हुए सारी अनुमतियां निरस्त की थी।

## बोरवेल ड्रिलिंग से पहले एजेंसी को लेनी होगी अनुमति

### नोटिफिकेशन के बाद नया कानून लागू, हर बोर का रखा जाएगा रिकॉर्ड

**भोपाल (नप्र)।** प्रदेश के शहर और गांव में अब जो भी नलकूप और बोरवेल खनन होगा उसका पूरा रिकार्ड सरकार के पास होगा। इतना ही नहीं इसके लिए अब संबंधित व्यक्ति और नलकूप खनन करने वाली एजेंसी को सरकार से अनुमति भी लेना होगी।

राज्य सरकार द्वारा विधानसभा में पारित किए गए मध्यप्रदेश खुले नलकूप में इंसानों के गिरने से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम और सुरक्षा विधेयक 2024 को राज्यपाल की अनुमति मिल गई है और इसका नोटिफिकेशन किए जाने के बाद यह लागू भी हो गया है। अब जल्द ही पीएचई विभाग इसके अलग से आदेश जारी करने के साथ इसको लेकर नियम बनाने की कार्यवाही पूरी करेगा।

वर्तमान में जिलों में नलकूप और बोरवेल खनन को लेकर जो व्यवस्था है उसके अनुसार गर्मी के दिनों को छोड़कर बोरवेल या नलकूप खनन कराने वाले व्यक्ति द्वारा किसी अधिकारी को सूचना दिए बगैर सीधे ड्रिलिंग एजेंसी से बात करके बोरिंग कराई जाती है।

गर्मी में वाटर लेवल डाउन होने पर कलेक्टरों द्वारा जिलों को जल अभावग्रस्त घोषित किए जाने की स्थिति में जरूर संबंधित क्षेत्र के एसडीएम से अनुमति लेने की प्रक्रिया अनिवार्य की जाती है।

**ड्रिलिंग एजेंसी की यह होगी जिम्मेदारी-** राज्यपाल की अनुमति के बाद लागू किए गए कानून में साफ तौर पर यह व्यवस्था दी गई है कि ड्रिलिंग करने वाली एजेंसी जहां पर ड्रिलिंग की जाना है उस स्थान और भूमिस्वामी के बारे में सरकार द्वारा बनाए गए पोर्टल पर पूरा डिटेल देगा और नलकूप या बोरवेल खनन की अनुमति लेगा। इसके साथ ही वहां आवश्यक सुरक्षा उपाय भी करेगा। बोरिंग करने के दौरान अगर बोर या नलकूप फेल हो गया तो उसे कैप लगाकर बंद करने का काम किया जाएगा।

#### कम्प्लेन करने वाले को मिलेगा पुरस्कार

इसके अलावा इस कानून में यह प्रावधान भी किया गया है कि अगर कोई बोरवेल या नलकूप काम करना बंद कर दे तो भूमि स्वामी के खिलाफ सक्षम अधिकारी कार्यवाही कर सकेगा। इसके लिए अधिकारी खुद संज्ञान ले सकेगा या शिकायत मिलने पर कार्यवाही कर सकेगा। इसके बाद वरिष्ठ अधिकारी को रिपोर्ट देगा। इसमें यह भी कहा गया है कि अगर कम्प्लेन सही पाई जाती है तो शिकायतकर्ता को पुरस्कार भी दिया जाएगा।

#### वसूली करने के साथ जुर्माना लगा सकेंगे अफसर

अगर किसी भूमिस्वामी ने बोर फेल होने पर उसमें कैप लगाने का काम नहीं किया है तो सक्षम अधिकारी को यह अधिकार होगा कि उसमें कैप लगवाए और इसकी वसूली भू राजस्व संहिता के अंतर्गत भू-राजस्व बकाया के रूप में वसूली करे।

साथ ही ड्रिलिंग एजेंसी और भूमिस्वामी की लापरवाही से होने वाली दुर्घटना पर दोनों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। इसमें यह भी प्रावधान है कि समक्ष अधिकारी पहली बार के अपराध के मामले में दस हजार रुपए और इसके बाद हर बार होने वाले अपराध के लिए 25 हजार रुपए तक जुर्माना कर सकेगा।

#### बोर की परिधि को लेकर बनेंगे नियम

सरकार ने प्रदेश में कुछ सालों में खुले बोरिंग या नलकूप के कारण बच्चों के उसमें गिरने और जान गंवाने के हादसों से सबक लेते हुए यह कानून बनाया है। इस कानून के लागू होने के बाद अब जल्दी ही नियम बनाए जाएंगे।

## युवक का शव रखकर परिजनों ने किया प्रदर्शन

### रहवासी बोले- अफसर शेड तोड़ने की धमकी दे रहे थे, फांसी लगाकर दे दी जान

**भोपाल (नप्र)।** भोपाल की भदभदा बस्ती से टीटी नगर में शिफ्ट किए गए एक युवक ने गुरुवार रात फांसी लगा ली। परिजन और रहवासियों का आरोप है कि निगम और जिला प्रशासन के अफसर शेड तोड़ने की धमकी दे रहे थे। इसलिए युवक ने फांसी लगा ली।

इधर, शुक्रवार को परिजनों ने भदभदा बस्ती के बाहर शव रखकर प्रदर्शन किया। वे मौके पर एसडीएम और तहसीलदार को बुलाने की मांग कर रहे थे।

गुरुवार रात घटना के बाद पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, निगम में नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी समेत कई कांग्रेस मौके पर पहुंचे। रहवासियों ने बताया कि भदभदा बस्ती तोड़ने के बाद कुछ लोगों को टीटी नगर में शेड बनाकर दिए थे।इन्हें भी तोड़ने की निगम और प्रशासन के अफसर धमकी दे रहे थे। इससे चालक शादाब टेंशन में रहता था। गुरुवार देर शाम शादाब ने अपने ही घर में फांसी

लगा ली।

**परिजनों ने देखा तो हॉस्पिटल लेकर पहुंचे-** शादाब का शव फांसी में लटका देख परिजन बेहोश हो गए। शोर सुनकर रहवासी मौके पर पहुंचे और शव उतारकर जेपी हॉस्पिटल पहुंचे। जहां डॉक्टर ने जांच की, लेकिन शादाब की मौत हो चुकी थी।

टीटी नगर थाना प्रभारी मनोज पटवा ने बताया, रात 8 बजे जेपी हॉस्पिटल से सूचना मिली थी कि एक युवक ने आत्महत्या कर ली है। उसका नाम शादाब है। शनिवार को पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा।

## सीआईएसएफ की तरह एमपी हॉस्पिटल सिक्योरिटी फोर्स बने

### डॉक्टरों ने सरकार से की मांग ; हेल्थ मिनिस्टर बोले- विचार किया जाएगा

**भोपाल (नप्र)।** कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हत्या के मामले पर विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। एमपी के डॉक्टरों ने सीआईएसएफ (सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स) की तरह एमपी में अलग से हॉस्पिटल सिक्योरिटी फोर्स बनाने की मांग की है। मप्र मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन ने एमपी सरकार को पत्र लिखा है। डॉक्टरों की मांग पर मप्र के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री ने भी विचार करने की बात कही है।

मप्र शासकीय स्वशासी चिकित्सक संघ के मुख्य संयोजक डॉ राकेश मालवीय का कहना है कि कोलकाता की घटना ने केवल एक राज्य नहीं, बल्कि पूरे भारत देश और दुनिया भर को सोचने पर मजबूर कर दिया है। अस्पतालों में मरीजों की जान बचाने के लिए चिकित्सक अपने परिवार को छोड़कर अपनी जान दांव पर लगाकर दिन रात इलाज करता है। ऐसे में अब जरूरत है कि अस्पतालों के लिए एक डेडिकेटेड सिक्योरिटी फोर्स का गठन किया जाए।

डॉ मालवीय ने कहा- चूंकि, अभी अस्पतालों में जो निजी सुरक्षा एजेंसियों के

कर्मचारी सुरक्षा का जिम्मा संभालते हैं। जिन एजेंसियों को सरकार हर महीने लाखों, करोड़ों का भुगतान करती है। उनके कर्मचारी इतने सक्षम नहीं होते कि अस्पताल में जब कोई बड़ा विवाद या घटना हो तो वे उसे संभाल सकें। उन कर्मचारियों का वेतन भी बहुत कम होता है ऐसे में जब खुद की जान का जोखिम हो तो कम पैसों में नौकरी करने वाला निजी कंपनी का कर्मचारी भाग खड़ा होता है। सरकार यदि चाहती है कि डॉक्टर सुरक्षित रहें तो औद्योगिक सुरक्षा बल की तरह हॉस्पिटल सिक्योरिटी फोर्स का गठन करना चाहिए।

#### स्वास्थ्य मंत्री बोले-सुझाव अच्छा, सरकार विचार करेगी

मप्र के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा- कोलकाता में दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई। डॉक्टर 24 घंटे देश की जनता की सेवा में तत्पर रहते हैं। ऐसी जघन्य घटना होना पूरे सभ्य समाज के लिए चिंता का विषय है। मप्र का स्वास्थ्य विभाग डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ सहित सभी कर्मचारियों की सुरक्षा के प्रति सजग है। विभिन्न निर्देश विभाग द्वारा मेडिकल कॉलेजों से लेकर जिला अस्पतालों सहित छोटी इकाईयों के लिए जारी किए गए हैं।

डॉक्टरों द्वारा अस्पतालों के लिए अलग से सिक्योरिटी फोर्स गठन की मांग पर मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा- अच्छा सुझाव है इस सुझाव पर सरकार विचार करेगी। अभी जो सुरक्षा व्यवस्था है वो सुदृढ है। कई बार ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं हो जाती हैं वो विचार करने पर विवश करती हैं। डॉक्टरों की मांग को हम सहानुभूति पूर्वक विचार करेंगे, और मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सतर्क और सजग हैं।

संपादकीय

जम्मू कश्मीर विस चुनाव

# बीजेपी के सामने बड़ी चुनौती

केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर की विधानसभा के लिए 10 साल बाद होने जा रहे चुनावों में जीत की सबसे बड़ी चुनौती उस बीजेपी के सामने है, जो खुद राज्य में धारा 370 व 35ए की समाप्ति के बाद जम्मू कश्मीर में अमन चैन और विकास की गंगा बहाने का दावा करती रही है। परोक्ष रूप से यह चुनाव मोदी सरकार द्वारा राज्य में धारा 370 व 35ए खत्म करने पर जनमत संग्रह ही है। अगर बीजेपी वहां सत्ता में नहीं आ सकी तो इसका विपरीत संदेश जाएगा और राज्य के विशेष दर्जा बहाली की मांग और तेज होगी। हालांकि राज्य की विपक्षी पार्टियां भी इस चुनाव को बड़ी चुनौती और अवसर के रूप में देख रही हैं। इसी संदर्भ में गुरूवार को श्रीनगर में नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस के बीच राज्य की 90 सीटों पर मिलकर लड़ने का समझौता एक महत्वपूर्ण कदम है। इसमें माकपा को भी शामिल किया गया है। हालांकि तीनों दलों में सीटों का बंटवारा बहुत आसान नहीं होगा। लेकिन अगर पिछले विस चुनाव नतीजों को देखें तो नेकां को 20.77 तथा कांग्रेस को 18.01 प्रतिशत वोट मिला था। अगर कांग्रेस ने जम्मू में भाजपा को 20 सीटों तक समेट दिया तो नेकां कांग्रेस सरकार वहां बन सकती है। दरअसल कांग्रेस लोकसभा चुनाव की तरह विपक्षी एकता का प्रयोग जम्मू कश्मीर में भी करना चाहती है। संभव है कि यह गठबंधन अगर 40 सीटें भी जीतने में कामयाब रहा तो कुछ दूसरी छोटी विरोधी पार्टियों अथवा पीडीपी को भी साथ लेकर सरकार बनाने का दावा किया जा सकता है। पीडीपी को फिलहाल गठबंधन में शामिल नहीं करने का मतलब उसके लिए या तो वापस बीजेपी के साथ जाना या फिर पार्टी का अस्तित्व दांव पर लगना भी हो सकता है। लोकसभा चुनाव में पीडीपी का प्रदर्शन खराब रहा था। गौरतलब है कि 2015 में पीडीपी के साथ मिलकर बीजेपी ने जम्मू कश्मीर में सरकार बनाई थी। बाद में बीजेपी ने ही सरकार गिरा दी थी। वो घाव पीडीपी सुप्रीमो महबूबा मुफ्ती अभी तक नहीं भूली हैं। उधर बीजेपी ने प्रदेश में अपने नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए हर संभव जोड़तोड़ व रणनीति बनाने के लिए राम माधव को फिर से मोर्चे पर भेजा है। हालांकि जम्मू कश्मीर में 5 अगस्त 2019 के बाद से काफी कुछ बदल गया है। कश्मीर घाटी की पार्टियां अभी भी धारा 370 व 35ए वापस लागू करने की बात कर रही हैं। लेकिन यह काम केन्द्र सरकार ही कर सकती है। दूसरी तरफ कांग्रेस ने इस मुद्दे पर अपना स्वर धीमा कर दिया है। उसका जोर जम्मू कश्मीर को फिर से पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने पर ज्यादा है। व्यावहारिक तौर पर नेकां का एजेंडा कांग्रेस के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है। अब कश्मीरियों पर निर्भर है कि वो धारा 370 हटने के बाद आई शांति को ज्यादा तवज्जो देते हैं या फिर पुराने दिनों में लौटना चाहते हैं। इस बीच भाजपा ने कश्मीर घाटी में अपना संगठन मजबूत तो किया है, लेकिन अपने दम पर वो कोई सीट जीत पाए, इसकी संभावना कम ही है। इसी के साथ हमे ये भी याद रखना होगा कि राज्य में परिसीमन के बाद हिंदू बहुल जम्मू में सीटों की संख्या बढ़ गई है। इसके अलावा लोस चुनाव के बाद जम्मू क्षेत्र में बढ़े आंतकवाद के बाद वहां के मतदाता फिर बीजेपी के साथ जा सकते हैं। साथ ही पांच सदस्य उपराज्यपाल मनोनीत करेंगे। इसके अलावा पहली दफा राज्य में अजा/जजा के लिए क्रमशः 7 व 9 सीटें आरक्षित की हैं। इन मतदाताओं का रूख क्या होगा, यह भी महत्वपूर्ण है।

नजरिया

प्रमोद भार्गव

लेखक पत्रकार हैं।

# महिलाओं के खिलाफ अपराधों में शामिल सांसद-विधायक

यह देश और जनता के लिए आश्चर्य में डालने वाला प्रमाण है कि ऐसे विधायक और सांसदों की संख्या निरंतर बढ़ रही है, जो गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि से जुड़े हैं। हैरानी इस पर भी है कि सभी राजनीतिक दल इस पृष्ठभूमि के लोगों को उम्मीदवार बना रहे हैं और वे जीत भी रहे हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से हाल ही में जारी रिपोर्ट के मुताबिक 16 वर्तमान सांसद और 135 विधायकों पर महिलाओं के विरुद्ध अपराध के मामले दर्ज हैं। यही नहीं इनमें दो सांसदों और 14 विधायकों पर दुष्कर्म के मामले चल रहे हैं। इन 151 सांसद और विधायकों ने अपने चुनावी शपथ-पत्रों में महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामलों की जानकारी दी है। एडीआर ने 2019 और 2024 के बीच चुनावों के दौरान चुनाव आयोग को सौंपे गए वर्तमान सांसद और विधायकों के 4,809 हलफनामों में से ये तथ्यात्मक दस्तावेजी प्रमाण निकाले हैं।

पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 25 सांसद व विधायक महिलाओं के खिलाफ अपराधों से संबंधित आरोपों का सामना कर रहे हैं। इसी प्रकृति के मामलों में ओड़ीसा 17 सांसद व विधायकों के साथ दूसरे पायदान पर खड़ा है। इनमें से 16 वर्तमान सांसद और विधायक ऐसे हैं, जिन्होंने आईपीसी की धारा 376 के तहत दुष्कर्म से संबंधितमामले घोषित किए हैं। ऐसे मामलों में न्यूनतम 10 साल की सजा का प्रावधान है और इसे आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार ऐसे सर्वाधिक मामले भाजपा प्रतिनिधियों के हैं। भाजपा के 54 सांसदों और विधायकों पर महिलाओं के विरुद्ध अपराध दर्ज है। कांग्रेस के 23 और तेलगु देशम पार्टी के 17 सांसदों और विधायकों पर इसी प्रकृति के मामले भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों के पांच-पांच मौजूदा विधायकों पर दुष्कर्म के आरोप है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि भाजपा और कांग्रेस जैसे देषव्यापी दल आपराधिक पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों को टिकट देने से बच नहीं रहे है। कम से कम इन दलों को दुष्कर्म और हत्या जैसे गंभीर मामलों से जुड़े व्यक्ति को उम्मीदवार बनाने से बचना चाहिए। समाजवादी सांसद रहे अतीक अहमद पर जहां हत्या, दुष्कर्म और जमीन हड़पने के 101 मामले दर्ज थे, वहीं उसके भाई अशरफ अहमद पर 50 से ज्यादा इसी किस्म के मामले दर्ज थे। मुख्तार अंसारी पर भी दर्जनों मामले दर्ज थे। दिल्ली पुलिस ने पूर्व भाजपा सांसद एवं भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश से यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार के मामलों में दो एफआईआर दर्ज की हैं। 7 महिला पहलवानों ने उन पर ये आरोप लगाए थे।

हालांकि सर्वोच्च न्यायालय इस परिप्रेक्ष्य में कानूनी विसंगतियों को दूर करने के उपाय करती रही है। न्यायालय ने 10 जुलाई 2013 को दिए एक फैसले के अनुसार किसी आपराधिक मामले में 2 वर्ष की सजा पाए दोषी सांसद, विधायक व अन्य जनप्रतिनिधियों के पद पर बने रहने के अधिकार को समाप्त कर दिया था। जिस तारीख से सजा सुनाई गई थी, उसी दिन से माननीयों की सदस्यता निरस्त मान ली गई थी। अदालत ने इस फैसले में जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 8 (4) को रद्द कर दिया था। यह धारा दागी नेताओं को मुकदमे लंबित रहते हुए भी पद पर बने रहने की छूट देती थी, यह फैसला 2006 में दाखिल वकील लिली थॉमस की याचिका पर दिया गया था। किंतु इस फैसले के विरुद्ध केंद्र सरकार ने संसद में सर्वसम्मति से संशोधन बिल लाकर शीर्ष अदालत के फैसले को चुनौती दी थी। इस बिल में धारा 8 की उपधारा 4 में एक प्रावधान जोड़ा, ताकि दागी नेताओं की कुर्सी बचे रहे और वे सदन की कार्यवाही में भागीदारी करते रहें। किंतु अदालत ने इसकी व्याख्या करते हुए कहा कि उपधारा 4 भेदभाव पूर्ण है। क्योंकि यह दोशी ठहराये गए आमजन को तो चुनाव लड़ने से रोकती है, लेकिन जनप्रतिनिधि को सुरक्षा मुहैया कराती है। याद रहे राहुल गांधी की लोकसभा सदस्य की सदस्यता भी इसी कानून के आधार पर समाप्त की गई थी।

सर्वोच्च न्यायालय ने दागियों का महत्व राजनीति से समाप्त करने की दृष्टि से महज जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा 8 ;4एच को खारिज किया था। यह एक ऐसी विरोधाभासी धारा थी, जो पक्षपात बरतते हुए दोषियों को दोहरे दृष्टिकोण से परिभाषित करती थी। यह संहिता एक ओर तो उस आम आदमी को ही चुनाव लड़ने से रोकती है, जिसे दो साल या इससे अधिक की सजा हुई हो और दूसरी तरफ आपराधिक दोषी करार दिए गए नेताओं को पद पर बने रहने की छूट देती थी। इस भेद को खत्म करना, न्यायिक समानता के लिए जरुरी था, जिससे संवैधानिक मर्यादा का पालन हो और देश के हरेक नागरिक को समानता के अधिकार मिलें। हमारे यहां अनेक ऐसी कानूनी विसंगतियां हैं, जो संविधान सम्मत नहीं होने के कारण भेद की संहिता रचती हैं। इसी बाबत यह विडंबना भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि कारागार में बंद विचाराधीन आम आरोपी तो मतदान करने के अधिकार से वंचित रहता है, लेकिन किसी सांसद अथवा विधायक को सजा भी हो जाए तो भी उसकी सदस्यता बरकरार रहती है। अलबत्ता सजायाफ्ता जेल में रहते हुए भी चुनाव लड़ने के अधिकारी बने हुए थे। इसीलिए अदालते ने किसी जनप्रतिनिधि के सजा पाते ही उसे चुनाव लड़ने से वंचित कर दिया था।

दरअसल जनप्रतिनिधि कानून की जिस धारा 8; 4एच को न्यायालय ने विलोपित किया था, उसकी प्रतिछाया में अब तक प्राथमिकी में नामजद और सजायाफ्ताओं को निर्वाचन में भागीदारी के सभी अधिकार प्राप्त थे। इसके अनुसार सजा सुनाए जाने के छह साल बाद राजनेता मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराकर चुनाव लड़ सकते हैं। लेकिन इसके विपरीत यदि दोषी व्यक्ति की अपील ऊपरी अदालत मंजूर कर लेती है और जब तक उसका फैसला नहीं आ जाता है, तब तक दोषी व्यक्ति को न तो मतदान से वंचित किया जा सकता है और न ही चुनाव लड़ने से? तय है, अपीलों का यह सिलसिला उच्चतम न्यायालय तक चलता है और तारीखें बढ़वाने की सुविधा के क्रम में कई दशक बीत जाते हैं, नतीजतन सदस्यता भी बरकरार रहती थी और नया चुनाव लड़ने का अधिकार भी बने रहते थे। इस संदर्भ में विसंगति यह भी है कि जेल में बंद आरोपी मतदान का अधिकार तो खो देते हैं, लेकिन ऐसे लोग चुनाव लड़ सकते हैं। इस संदर्भ में तर्क दिया जाता है कि जब तक कोई दोष सिद्ध न हो जाए, तब तक उसे निर्दोष ही माना जाना चाहिए। यह तथ्य सही हो सकता है, लेकिन हमारे नीति-नियंताओं को यह समझने की जरूरत है कि इसी ओट में राजनीति का अपराधीकरण हो रहा है।

हालांकि जनप्रतिनिधि कानून के विपरीत संविधान के अनुच्छेद 173 और 326 में प्रावधान है कि न्यायालय द्वारा दोषी-करार दिए लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं किए जा सकते हैं। यहां प्रश्न खड़ा होता है कि जब संविधान के अनुसार कोई अपराधी मतदाता भी नहीं बन सकता तो वह जनप्रतिनिधि बनने के नजरिए से निर्वाचन प्रक्रिया में भागीदारी कैसे कर सकता है ? संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत यह दोहरा मापदंड समानता के अधिकार का उल्लंघन है। समान न्यायिक व्यवहार की इस मांग को जनहित याचिका के जरिए लिली थॉमस और लोक प्रहरी नामक एनजीओ ने अदालत के समक्ष रखा था। याचिका में दर्ज इस विसंगति को शीर्ष न्यायालय ने अपने अभिलेख में प्रश्नांकित करते हुए केंद्र से जवाब तलब भी किया था। केंद्र ने शपथ-पत्र देकर तर्क गढ़ा था कि 'कई बार सरकार बनाने या गिराने में चंद वोट ही बेहद महत्वपूर्ण होते हैं, लिहाजा सजा मिलने पर किसी जनप्रतिनिधि की सदस्यता खत्म कर दी जाती है तो सरकार की स्थिरता ही खतरे में पड़ सकती है।' सरकार ने यह भी तर्क दिया था 'यह उन मतदाताओं के संवैधानिक अधिकार का हनन होगा, जिन्होंने उन्हें चुना है।' जाहिर है, सरकार राजनीति में शुचिता लाने के बरक्स अपराध बहाली को तरजीह दे रही थी। अन्यथा सरकार क्या यह नहीं जानती कि जो प्रतिनिधि जेल में कैद हैं, वह क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कैसे कर सकता है? क्या सरकार इस संवैधानिक व्यवस्था से अनभिज्ञ है कि किसी प्रतिनिधि की मृत्यु होने, इस्तीफा देने अथवा सदस्यता खत्म होने पर छह माह के भीतर नया जनप्रतिनिधि चुनने की संवैधानिक अनिवार्यता है? इस स्थिति में न तो कोई निर्वाचन क्षेत्र नेतृत्वविहीन रह जाता है और न ही किसी सरकार की स्थिरता खतरे में पड़ती है? फिर क्या महज सरकार बनाए रखने के लिए अपराधियों का साथ लिया जाए? ऐसी दोषपूर्ण प्रणाली के चलते ही राजनीति का मूलाधार वैचारिक अथवा संवैधानिक निष्ठा की बजाय सत्ता के गणित में सिमट कर रह गया है।

राजनीति

अवधेश कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

# प्रधानमंत्री के संबोधन में सेक्यूलर और विरोधी

78वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाल किला से संबोधन किसी ने किसी कारण से हर वर्ष चर्चा में रहता है। चूंकि पहली बार भाजपा बहुमतविहीन है और सरकार बहुमत के लिए गठबंधन के साथियों पर निर्भर है, इसलिए भी राजनीति में अभिरुचि रखने वालों के लिए उनके संबोधन पर विशेष रूप से दृष्टि थी। इस समय इनमें दो विषयों की सबसे ज्यादा चर्चा है। पहला, उन्होंने किसी संगठन या व्यक्ति का नाम न लेते हुए कहा कि देश जिस तरह प्रगति कर रहा है इसका विरोध करने वाले विकृत लोग भी हैं जो यह नहीं चाहते। हालांकि उसमें उन्होंने कहा कि हम उन्हें भी अपने काम से दिल जीत कर साथ लेंगे। इसे प्रकारांतर से आंतरिक विरोधियों से जुड़ा माना गया इसलिए भी इसे लेकर तीखी टिप्पणियां आ रही है। वैसे उन्होंने नाम न लेते हुए विदेशी शक्तियों को भी सीधे-सीधे कटघरे में खड़ा किया। दूसरा विषय समान नागरिक संहिता है। इसके बारे में उन्होंने कहा कि देश को अब सेक्युलर कॉमन सिविल कोड की ओर बढ़ना चाहिए। भाषण के समाप्त होते ही विरोधियों की प्रतिक्रिया आने लगी कि जो व्यक्ति और पार्टी सेक्युलर शब्द से घृणा करती हो और इसका उपहास उड़ाती हो वह अगर लाल किले से शब्द का प्रयोग करता है तो यह हमारी विजय है। आप देख लीजिए सिविल कोर्ड में भी सेक्यूलर शब्द सबसे ज्यादा चर्चा में बना हुआ है।विरोधी प्रधानमंत्री मोदी तथा उनकी सरकार एवं पूरे संगठन परिवार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। प्रश्न है कि क्या प्रधानमंत्री के भाषण का वही अर्थ है जो उनके विरोधी लग रहे हैं?

प्रधानमंत्री के भाषण को समग्रता में देखना होगा। खंड - खंड करके एक - दो विषय या पहलू को उठा लेने से संपूर्ण तस्वीर स्पष्ट नहीं होती। उनका भाषण भारत को हर दृष्टि से सुख, शांति और समृद्धि से परिपूर्ण विश्व की प्रमुख शक्ति बनाने के सपने और कार्ययोजनाओं पर केंद्रित रहा। स्वतंत्रता दिवस के उनके हर भाषण में आप कुछ पहलू सामान्य पाएंगे। वे लोगों के अंदर स्वतंत्रता आंदोलन के विचारों व व्यक्तित्व से प्रेरित कर देश के लिए काम करने का भाव जागते हैं, भारत राष्ट्र का एक बड़ा लक्ष्य सामने रखते हैं, अपने कार्यों का विवरण देकर विश्वास दिलाते हैं कि यह पूरा होगा और फिर भविष्य के लिए काम करने की योजनाओं पर बात करते हैं। इस भाषण में भी आपको ये चारों पहलू पूरी तरह मिलेंगे। 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का लक्ष्य उन्होंने पहले से निर्धारित किया हुआ है। उन्होंने कहा भी कि जब स्वतंत्रता संग्राम में हम 40 करोड़ थे और इतने लोगों ने बलिदान का संकल्प लिया हम गुलामी से मुक्त हो गए, आज हम 140 करोड़ हैं, आज बलिदान देने की नहीं देश के लिए काम करने की आवश्यकता है, अगर हम काम का संकल्प लेते हैं तो अपने देश को विश्व का श्रेष्ठ देश बना सकते हैं।अगर श्रेष्ठ देश बनाना है तो अनेक स्तरों पर बदलाव की जरूरत है जिनमें कानूनी, संवैधानिक व्यवस्थागत सुधार के साथ लोगों की मानसिकता तथा इसके सामने खड़े विरोधियों को पहचान कर भूमिका निर्धारित करने की भी। उन्होंने अपनी सरकार द्वारा किये गये आर्थिक सुधारों से लेकर सामान्य व प्रोफेशनल शिक्षा, आधारभूत संरचना आदि सुधार और व्यापक बदलावों को सिलसिलेवार रखा तथा संकल्प व्यक्त किया कि ये सारी प्रक्रिया लगातार आगे बढ़ेगी।

इसी संदर्भ में उन्होंने बताया कि हमने कैसे भारत के विकास के रास्ते के 1400 से ज्यादा कानून खत्म कर दिए, छोटी-छोटी बातों पर गिरफ्तार होने और जमानत लिए जाने के कानून को भी बदला। हमने भारतीय दंड संहिता को भारतीय न्यायसंहिता बनाकर भारतीय दृष्टि से आपराधिक न्याय प्रणाली बनाई। इसी को विस्तारित करें तो सिविल कोड पर जोर देना समझ में आता है। सेक्यूलर सिविल कोड का यह अर्थ नहीं कि उन्होंने कॉमन सिविल कोड या समान नागरिक संहिता को नया नाम दे दिया। साफ है कि उन्होंने इस कानून के चरित्र की बात की। यह सच है कि अभी तक भारत की नागरिक संहिता या सिविल लौ सेक्यूलर भारत का अंग नहीं है। उसमें मजहबों की दृष्टि से मजहब के नाम पर ऐसे कानूनों की स्वतंत्रता मिली हुई है जो किसी भी सेक्यूलर देश के लिए स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। सच यह है कि हमारा नागरिक कानून व्यवहार में सांप्रदायिक और सेक्यूलर विरोधी ज्यादा है। सबके लिए समान नागरिक कानून का मतलब ही है कि भारत की सेक्यूलर अवधारणा को संविधान के तहत पूरी तरह साकार करना। सेक्यूलरवाद का भारतीय पर्याय सर्वधर्म समभाव से है। यानी हम किसी धर्म - पंथ के विरुद्ध नहीं बल्कि सबको समान रूप से देखते हैं और व्यवहार करते हैं। इस कसौटी पर नागरिक कानून खरा नहीं उतरता। परिणाम यह हुआ है कि समुदायों के अंदर प्रगतिशील सामूहिक सोच नहीं पैदा हुई और न वर्तमान विश्व की दृष्टि से भारत को खड़ा करने के अनुरूप उनका सामाजिक सुधार ही हुआ। अगर आप 1985 के प्रसिद्ध शाहबानो मामले में उच्चतम न्यायालय के संविधान पीठ का फैसला पढ़ेंगे तो उसमें साफ तौर पर देश में मजहब और पंथ के भेदभाव से ऊपर सबके लिए समान नागरिक कानून की बात की गई है। यह भाजपा के घोषणा पत्र में भी शामिल है तो प्रधानमंत्री द्वारा इसका उल्लेख स्वाभाविक है। देखना होगा होगा कि सरकार इस दिशा में क्या करती है क्योंकि गठबंधन के साथियों को इसके लिए तैयार करना होगा।। किंतु प्रधानमंत्री ने संकल्प व्यक्त किया है और वह भी लाल किले से तो मन कर चलना चाहिए कि इसके साकार करने की हर संभव कोशिश होगी।

दूसरे मुद्दे पर निष्पक्ष होकर विचार करें तो साफ दिखाई देगा कि नरेंद्र मोदी सरकार के आने के बाद देश में राजनीतिक और गैर राजनीतिक स्तर पर बड़ी संख्या में सक्रिय व्यक्तियों और संस्थाओं के अंदर अजीब किस्म का नफरत और विरोध है। इनमें कुछ तो भाजपा, मोदी और पूरे संघ परिवार से स्थाई नफरत पालते हैं इसलिए आपसी मतभेद रहते हुए भी इस मुद्दे पर सब एक हैं और जिन पार्टियों को सत्ता से वंचित होना पड़ा उनके साथ इनका कई स्तरों पर गठजोड़ दिखाई पड़ता है। दूसरी ओर विदेश में भी ऐसी शक्तियां हैं जो भारत को उसकी सभ्यतागत और सांस्कृति पहचान के साथ विश्व में स्थान बनाते नहीं सहन कर सकती। इनमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के कुछ नामी एक्टिविस्ट, पूंजीपति, थिंक टैंक, एनजीओ, देश व पार्टियां भी शामिल हैं। अपने- अपने लक्ष्य की दृष्टि से उनके बीच परोक्ष- प्रत्यक्ष एकता दिखाई देती है। भारत में एक विरोध शुरू होता है और धीरे-धीरे दुनिया का इकोसिस्टम वैसे ही आवाज निकालने लगता है। इसी तरह दुनिया में भारत के विरुद्ध कोई स्वर निकलता है तो देश के अंदर भी उसको प्रतिध्वनित किया जाता है। बांग्लादेश में हुए हिंसक असामान्य उथल-पुथल के समय भारत के अंदर की प्रतिक्रिया देखें तो आपके अंदर विरोधियों की विकृत मानसिकता का पता चल जाएगा। किस तरह भारत में भी ऐसा होने की घोषणा करते हुए लोगों को उत्तेजित करने की कोशिश की गई। पूरा इको सिस्टम इसी नैरेटिव के साथ आगे बढ़ा। भारत की मित्र शेख हसीना तक को न रहने देने की मांग की गई। बांग्लादेश की घटना व हिंदुओं पर हमले पर देश के अंदर और बाहर व्यक्तियों, संगठनों, संस्थाओं व पार्टियों की चुप्पी बताती है कि चुनौतियां कितनी बड़ी है। प्रधानमंत्री मोदी ने संभवतः इसी का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हम काम करते हुए उनका दिल जीतेंगे। दिल जीते न जीते अगर आप कार्य और व्यवहार से अपने को सशक्त करते हैं तो जनता के सामने पैदा किया गया भ्रम का मायाजाल टूटता है और उनका समर्थन आधार घटता है।

# पड़ोसी से हम लड़ लेंगे लेकिन मच्छरों से नहीं

वक्रोक्ति

प्रभुनाथ शुक्ल

लेखक व्यंग्यकार हैं।

मच्छर भी क्या बला हैं। किसी फ़िल्म में बोला गया मच्छरों पर यह डॉयलाग काफी चर्चित है। उसे आप भी अच्छी तरह जानते होंगे। जिसने भी यह कहा वह बेशक महान शोधकरने वाला रहा होगा। बगैर अनुभव के भला इस तरह की सोच कहाँ से पैदा हो सकती है। निश्चित ही उस आदमी को मच्छरों ने वैसा बना दिया होगा। वैसे भी हम इस कहावत पर कभी भरोसा नहीं करते थे, लेकिन जब मच्छरों से सामना पड़ा तो यह बात सोलह आने सच निकली। अगर आपका मुकाबला इन बाहुबली मच्छरों से होता है तो आप भी इन मच्छरों की बहादूरी से परिचित होंगे। वह भी अगर मौसम बारिश का हो और बिजली गुल हो जाए, फिर मच्छरों से लड़ना किसी युद्ध से भी खतरनाक है। आप युद्ध में पराजित होकर घायल योद्धा की तरह कराहते रहेंगे, लेकिन मच्छरों का हमला फिलहाल थमने वाला नहीं है। यहाँ युद्ध विराम का कोई प्रस्ताव लागू नहीं होता है।

बरसात के मौसम में आजकल हमारे साथ अक्सर ऐसा होता है। क्योंकि बिजली और मच्छरों ने आपस में तालमेल बना लिया है। वैसे भी आजकल गठबंधन का दौर भी है। हमारे गाँव में हल्की -फुल्की बारसात में भी बिजली गायब हो जाती है। फिर तो नींद बॉर्डर पर पहरा देने चली जाती है और हम मच्छरों से युद्ध लड़ते हैं। हम तो हम ठहरे हमारे गजोधार काका तो पूरी मुस्तैदी से मच्छरों से लड़ते हैं, लेकिन आख़िरकार वे भी पस्त होकर त्राहिमाम करने लगते हैं। जब गजोधार काका और मच्छरों में हमला बढ़ जाता है तो तो बेचारे नींद में टहलते हुए खैनी बनाने लगते हैं। मच्छरों से बचने के लिए दुनिया की ऐसी कोई गाली नहीं होगी जिसका प्रयोग वे मच्छरों और बिजली विभाग के लिए न करते हों। लेकिन मच्छर हैं की अपना हमला रोकते नहीं।

गजोधार काका अपना अनुभव बांटते हुए कहते हैं कि दुश्मन से युद्ध लड़ना आसान है, लेकिन मच्छरों से मुकाबला करना संभव नहीं है। मच्छरों के हमले से परेशान गजोधार काका गाँव छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। लेकिन बेचारे जाएं तो जाएं कहाँ। मतलब जहाँ जाइएगा वहां पाइएगा। वे कहते हैं कि मच्छर गोरिल्ला युद्ध नहीं लड़ते वे सीधे ललकारते हुए दुश्मन पर हमला बोलते हैं। वे दुश्मनों पर कभी छुपकर हमला नहीं करते हैं। अपने दुश्मन पर प्रहार से पहले जगुआर में लगे सायरन की माफिक कानफोड़ू शोर मचाते हुए हमला करते हैं। गजोधार काका के मच्छरदानी में भी आतंकवादियों की तरह घूस जाते हैं। कहते हैं मुझसे बच कर कहाँ जाओगे हम घर में घूस कर मारेंगे। गजोधर काका घुप अंधेरे में अपनी रुमाल घुमाकर युद्ध लड़ने का प्रयास करते हैं, लेकिन रुमाल बंद करते ही घात लगा कर बैठा दुश्मन ताबड़तोड़ हमला शुरू कर देता है। सूड घुसेड़ते ही गजोधर काका के बदन में ऐसी जलन होती है जैसे किसी ने देशी मिर्च का लेप लगा दिया हो। कभी -कभी मलेरिया और डेंगू जैसे मिसाइल से हुआ हमला जानलेवा बन जाता है। उस समय जान पर बन आती है। बस, भगवान पर अंतिम भरोसा बचता है। सरकार भी इनके आगे नतमस्तक है। यह ऐसे चरमपंथी हैं जिनका सफाया मुश्किल है। फिलहाल जिसने भी कहा था उसने सच कहा था कि एक मच्छर आदमी को..बना देता है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

प्रीतम लखवाल

लेखक व्यंग्यकार हैं।

# ...काहू विधि लिखूं कागद कोरे

आजकल विषय की भरमार है और विषय भी ऐसे-ऐसे की चयन करना मुश्किल कि किस पर लिखा जाए। ये बात जब मेरे कानों तक पहुंची तो मैं चौंक गया। सामने साहित्यिक मित्र काका कृपालु खड़े थे और वही ये सब बोल रहे थे। उनका साहित्य लेखन की रेटिंग का मसला अभी-अभी ही सुलझा था। असल में हुआ यह था कि वे लिख तो खूब रहे थे और जितना लिख रहे थे उसकी तुलना में छपने का प्रतिशत आधे से भी कम था। वे परेशान रहने लगे और उनका लेखन के आंतरिक लोकतंत्र से भरोसा ही उठ गया। एक दिन उन्होंने अपने एक मित्र के सुझाव को मान्य करते हुए अपने लिखने की रेटिंग करवाई। वो भी लोकल स्तर पर। वैसे आजकल मीडिया जगत में रेटिंग का अपना-अपना सिस्टम है और वह यह कि कोई किसी से कमतर नहीं हो सकता है। सभी को नंबर वन रहने की हसरत होती है। ये चाहत ही उन्हें अपने दर्शकों और पाठकों के करीब से करीब रखने को बाध्य करता है। अब काका कृपालु की रेटिंग तो ठीक-ठाक आई, लेकिन एक जगह सितारा लगा हुआ संदेश भी उनके सामने चमका और देखकर वो भौचक्के रह गए। उस सितारा संदेश में लिखा था कि आप आलोचना अधिक लिखते हैं और ये आलोचना सरकार के चाहने वालों, उनके फेवर के लोगों और चैनल वालों को सुहाती नहीं है। इसलिए आपको इससे बचना होगा। काका कृपालु बुदबुदाए कि हमारे संतों ने तो यहां तक कहा कि निंदक नियरे राखिए, लेकिन आजकल इसका उलट हो रहा है कि निंदक जेल में राखिए। कई नवोदित निंदक यानी लेखक अब वहां की आवोहवा से तादात्म्य बिठाने की कोशिश कर रहे हैं। काका कृपालु ने इसे थोड़ा स्पष्ट करते हुए आशंका जताई कि अगर आज के दौर में विख्यात समालोचक नामवरसिंह होते तो तिहाड़ जेल में बैठकर साहित्य साधना कर रहे होते और शरद जोशी क्षिप्रा किनारे तो हरिशंकर परसाई नर्मदा तट पर बैठकर अपने होने का अफसोस मना रहे होते। परसाई जी ने सरकार के खिलाफ लिख-लिखकर तबादलों का इतना प्रसाद पा लिया कि उन्हें ही तब याद ही नहीं रहा कि कितने हुए। फिर भी उन्होंने अपना लक्ष्य नहीं छोड़ा। काका कृपालु इस बार बहुत ज्यादा गहराई में उतर गए थे। ठीक वैसे ही जैसे बारिश में पुल बाढ़ के पानी में खुद को समा देता है और व्यवस्था की ईमानदारी पर प्रश्न का फ्लैग टांग देता है। मैंने उन्हें थोड़ा हिलाया-डुलाया तब जाकर वे वापस इहलोक में आ पाए और कहने लगे कि विषय तो इतने हैं कि पूरे महीने तक लिखा जा सकता है, लेकिन हर बार यही सोचता हूं कि काहू विधि लिखूं कागद कोरे। अब वैसे भी हमारे लीजेंड किशोर कुमार भी गा गए हैं कि मेरा जीवन कोरा कागज कोरा ही रे गया। काका बहुत ही इमोशनल हो गए और उनके इस इमोशन के भी राज हैं और इन राजों की भी चलते-चलते पड़ताल कर लेते हैं। सदियों पहले राज शाही में राजाओं की विरदावली गायन को खास मुकाम हासिल था। जिस भी राजा के दरबार में जितने अधिक चारण और भाट पाए जाते थे वो राजा ही सर्वाधिक शक्ति संपन्न माना जाता था, लेकिन अंग्रेजों का शासन अस्त होने और आजादी के उदय के साथ ही राजाओं की राज शाही भी इतिहास में दर्ज हो गई थी, लेकिन किसी ने सोचा था कि यह दौर आजादी के मात्र 68 साल बाद ही लौट आएगा। एक दशक से दरबारियों से लेकर जन सामान्य में से भी कुछ खास किस्म के लोगों में ढाई सौ-तीन सौ साल पहले के विरदावली गायन करने वालों की आत्माएं पुनः प्रवेश पा जाएंगी और चालीसा से लेकर दोहे और छंदों का भी पुनर्जन्म हो जाएगा। आए दिन सामाजिक माध्यम से इनका भी प्रसार-प्रचार खूब होने लगा है। इन्हें स्व घोषित ईश्वर ने भक्तों की संज्ञा दी है और भक्तों का आलम यह है कि 'वो' उत्तर की ओर मुंह करके छींक भी दे तो वे उसे भी अवसर में बदल देते हैं और उस छींक के एक हजार मायने समझा दिए जाते हैं। अभी यह ऑब्जर्वेशन चल ही रहा था कि काका कृपालु ने कहा कि सोचा चापलूसी भरा लेखन करना भी कोई लेखन है। भले ही रेटिंग कम हो, लेकिन लिखना और कहना अपने मन का। फिर कोई न कह सके कि काहू विधि लिखूं कागद कोरे।

पर्यटन

संजय वर्मा 'दृष्टि'

# नए पर्यटन स्थलों की पहचान में करें सहयोग

**मध्यप्रदेश के इंदौर संभाग के धार जिले के विकासखंड बाग़ के समीप लगभग 4 किलोमीटर की दूरी पर 5वीं-7वीं सदी में निर्मित 12 बौद्ध गुफाएं है। इनकी बनावट अजंता-एलोरा,श्रीलंका,बौद्ध गुफा की लगभग एक समान है। गुफाओं में मूर्तियां,लाइट रिफ्लेक्टिंग पेंटिंग आकर्षकता का केंद्र है। यहाँ पर सुन्दर बगीचा, संग्रहालय बना हुआ है। इसके पास ही भीम की डेढ़ बाटी विशाल पत्थर की नदी में दिखाई देती है एवं भीम का चट्टान पर पांव की आकृति बनी हुई है। अर्जुन कुआँ भी है जहा जल कभी ख़त्म नहीं होता है। बागप्रिंट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार हासिल है। बेहद कलात्मक प्रिंट से निर्मित वस्त्र आकर्षण का केंद्र है। बाग नगर में ही पहाड़ी पर किला निर्मित है। गुफा के समीप डायनासोर पार्क निर्माण किया जा रहा है। इस स्थान पर शोधकर्ताओं द्वारा काफी संख्या में डायनासोर के अंडे मिले है साथ ही अन्य जीवाश्म भी प्राप्त है। भगोरिया पर्व भी मार्च में होता है देखने लायक है।**

पर्यटन स्थलों के विकास के लिए राज्यों के साथ मंथन की खबर पढ़ी। पर्यटन स्थल चिन्हित करने का अधिकार राज्यों को है। केंद्र सरकार उनके विकास में वित्तीय और अन्य सहयोग देती है। कांफ्रेस का मुख्य एजेंडा पर्यटन स्थलों का विकास और पर्यटन से जुड़े व्यवसाय और व्यापार को आसान बनाना है। पर्यटन,दर्शनीय स्थलों पर जाकर सुकून महसूस करें। पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा के संचालन होने से मध्यप्रदेश में पर्यटन नयी ऊंचाइयों को छुएगा। प्रदेश में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विकास के हित मे वायु सेवा की सुविधा पर्यटकों को नयी पहचान देगी।देश-विदेश से भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, उज्जैन, खजुराहों और सिंगरौली से अंतरराज्जीय उड़ान शुरू कर एक अच्छी सौगात दी है। जिसके लिए बधाई। धार जिले में रेल्वे सुविधा अभी शुरू नहीं हुई है। अतः सुझाव ये भी है कि धार जिले में भी हवाईपट्टी शुरू करना चाहिए ताकि मांडव,बाग, महेश्वर, अमझेरा, बावनगजा (बड़वानी) आदि स्थान पास पास है। पर्यटकों को दर्शनीय लाभ प्राप्त हो सके। मध्यप्रदेश के इंदौर संभाग के धार जिले के विकासखंड बाग़ के समीप लगभग 4 किलोमीटर की दूरी पर 5वी-7वी सदी में निर्मित 12 बौद्ध गुफाएं हैं। इनकी बनावट अजंता -एलोरा,श्रीलंका,बौद्ध गुफा की लगभग एक समान है। गुफाओं में मूर्तियां, लाइट रिफ्लेक्टिंग पेंटिंग आकर्षकता का केंद्र है। यहाँ पर सुन्दर बगीचा ,संग्रहालय बना हुआ है। इसके पास ही भीम की डेढ़ बाटी विशाल पत्थर की नदी में दिखाई देती है एवं भीम का चट्टान पर पांव की आकृति बनी हुई है। अर्जुन कुआँ भी है जहा जल कभी ख़त्म नहीं होता है। बागप्रिंट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार हासिल है। बेहद कलात्मक प्रिंट से निर्मित वस्त्र आकर्षण का केंद्र है। बाग नगर में ही पहाड़ी पर किला निर्मित है। गुफा के समीप डायनासोर पार्क निर्माण किया जा रहा है। इस स्थान पर शोध कर्ताओं द्वारा काफी संख्या में डायनासोर के अंडे मिले है साथ ही अन्य जीवाश्म भी प्राप्त है। भगोरिया पर्व भी मार्च में होता है देखने लायक है। बाग से धार , मांडव, महेश्वर, जैन तीर्थ मोहनखेड़ा(राजगढ़), बड़वानी (बावनगजा) एवं अन्य प्राचीन दर्शनीय स्थल की दूरी ज्यादा नहीं है। यहाँ के मनमोहक दृश्य बेहद लुभावने है। भारत में वर्तमान में कुल 40 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं। 40 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों में से मध्य प्रदेश में खजुराहो के स्मारक समूह - 1986,साँची के बौद्ध स्तूप-1989, भीमबेटका की गुफाएं-2003 घोषित है। वर्तमान में मांडू उपेक्षित है। माण्डव में कई महल स्मारक के धरोहर की वास्तुशैली भारतीय वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण समाहित है। मांडव को भी यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल की सूची में शामिल किया जाना चाहिए। मांडव आते है तो बाग़ में बौद्ध गुफाएं भी देखे। नजदीक में उज्जैन में प्रसिद्ध महाकाल समीप महाकाल लोक में भगवान शिव और उनके पूरे परिवार की प्रतिमाओं को स्थापित किया गया है। यहां भगवान शिव की लीलाओं का वर्णन करती छोटी-बड़ी करीब 200 मूर्तियां लगाई गई है। भगवान शिव ने किस तरह राक्षस त्रिपुरासुर का वध किया था, इसका वर्णन यहां एक विशाल प्रतिमा के जरिए किया गया है.महाकाल लोक में 108 विशाल स्तंभ बनाए गए हैं। इन पर भगवान शिव जी, पार्वती जी समेत उनके पूरे परिवार के चित्र उकेरे गए हैं। ये चित्र मूर्तिया जिनमें शिव, पार्वती, गणेश और कार्तिकेय की लीलाओं का वर्णन है। यहां 108 स्तंभों में भगवान शिवजी का तांडव, शिव स्तम्भ, भव्य प्रवेश द्वार पर विराजित नंदी की विशाल प्रतिमाएं मौजूद हैं। मध्य प्रदेश की तीर्थ नगरी उज्जैन में हर साल लगभग एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु आते हैं। सुंदर भव्य महाकाल लोक से उज्जैन में पर्यटन भी तेज होगा। अवंतिका पुरी में धर्म की नगरी,

साहित्य की नगरी,प्रेम की नगरी,नृत्य, संगीत की नगरी,ज्योतिष,गणनाओं की नगरी,सौंदर्य की नगरी आदि भाव समाहित है।देवताओं और अपने अपने आराध्यों का ऐसा चुम्बकीय आकर्षण जिसके आगे हर कोई नतमस्तक हो जाता है। नो रत्नों के नाम से गलियों के नाम है। कृष्ण सुदामा पढ़ते वो सांदीपनि आश्रम, महाकाल, गढ़कालिका,काल भैरव,सिद्ध वट, मंगलनाथ,सन्तोषीमाता, चिंतामन गणेश, रामघाट, गोपाल मंदिर,हरसिद्धि मंदिर, राजा भर्तहरि, दत्तअखाड़ा, शनिमंदिर, आदि धर्म के ऐसे मंदिर जहाँ आप सुकून पा सकते है।सर्प उद्यान, यंत्र महल,कालियादेह पैलेस,भैरव गढ़ प्रिंट, इस्कॉन मंदिर, टॉवर आदि इतना कुछ देखने का है यदि देखे तो एक सप्ताह लग सकता है। अभिनय और काव्य की नगरी में कर्क रेखा भी ग्राम डोंगला के ऊपर से जाती है। जहाँ 21 जून को दोपहर में परछाई विलुप्त हो जाती है। प्राचीन ग्रन्थों में अवंतिकापुरी के गाथाएं लिखी हुई है। अवंतिका पुरी (उज्जैन) सिंहस्थ, बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग विश्व प्रसिद्ध है। उज्जैन की मेहंदी,कंकू भी प्रसिद्ध है।यहाँ के हर स्थान की अपनी खासियत है जिसका उल्लेख पुराणों में भी पढ़ने को मिलता है।धार्मिक नगरी में क्षिप्रा नदी का अपना महत्व है।दर्शनीय स्थलों के दर्शन से पुण्य फल की प्राप्ति होती है। प्राचीन ग्रंथों में उल्लेख है अवंतिकापुरी श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली रही है। कृष्ण अपनी बांसुरी से ब्रज सुंदरियों के मन को हर लेते थे। भगवान के बंशीवादन की ध्वनि सुनकर गोपियाँ अर्थ,काम और मोक्ष सबंधी तर्कों को छोड़कर इतनी मोहित हो जाती थी कि रोकने पर भी नहीं रूकती थी ।क्योकिं बाँसुरी की तान माध्यम बनकर श्रीकृष्ण के प्रति उनका अनन्य अनुराग,परम प्रेम उनको उन तक खीच लाता था। सखा ग्वाल बाल के साथ गोवर्धन की तराई,यमुना तट पर गौओ को चराते समय कृष्ण की बांसुरी की तान पर गौएँ व अन्य पशु-पक्षी मंत्र मुग्ध हो जाते । वहीं अचल वृक्षों को भी रोमांच आ जाता था । श्री कृष्ण ने कश्यप गोत्र सांदीपनि आचार्य से अवंतिपुर (उज्जैन) में शिक्षा प्राप्त करते समय चौसठ कलाओं (संयमी शिरोमणि) का केवल चौसठ दिन -रात में ही ज्ञान प्राप्त कर लिया था। उन्हीं चौसठ कलाओं में से वाद्य कला के अन्तर्गत गुरु ज्ञान के द्वारा सही तरीके से बांसुरी वादन का ज्ञान लिया था। दर्शनीय स्थल में दर्शन का लाभ लेना चाहिए। वर्तमान में पर्यटन स्थलों पर और बेहतर सुविधाओं की आवश्यकता है।फिल्म निर्माताओं को भी म.प्र.के पर्यटन स्थलों की सोंदर्य व ऐतिहासिक धरोहरे काफी भा रही है। विशेष कर मांडू ,महेश्वर में कई फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है ,इंदौर, उज्जैन,भोपाल, जबलपुर ,पंचमढ़ी आदि मप्र के कई क्षेत्रों में बहुत ही शानदार दर्शनीय स्थल है जिनके आकर्षण से इन स्थानों पर फिल्म निर्माताओं द्धारा फिल्मो की शूटिंग भी की जा कर बड़े परदे पर देखी जा रही है। फिल्म निर्माताओं को लोकेशन हेतु विदेश जाकर दृश्य फिल्माने पर काफी लागत आती थी। मप्र में ही कई सुंदर स्थल उपलब्ध होने से फिल्म लागत निर्माण में फायदा हुआ है। लोगों को भी चाहिए की पर्यटन स्थलों पर गंदगी, कूड़ा-करकट ना फैलाएं,दीवारों पर कुछ ना लिखें। क्योकि सोंदर्य निहारने, ऐतिहासिक महत्व को जानने,स्थानीय कला को पहचानने के लिए और दो पल सुकून पाने के लिए लोग आते है। स्वच्छ पर्यटन सभी जगह बना रहे ऐसा स्वछता का कार्य जागरूकता से करना होगा। ताकि पर्यटकों को एवं फिल्म निर्माताओं को मप्र की पर्यटन स्थलों की आकर्षण दिलों में जगह बना सके। इसके अलावा मप्र में और भी रमणीय स्थलों को चिन्हित करके पर्यटन का क्षेत्र विकसित करने के लिए शासन का ध्यान आकर्षित किया जाकर क्षेत्र की सौन्दर्य और पहचान स्थापित करने में सहयोग करना चाहिए।

पर्यावरण

दिनेश चंद्र वर्मा

# पेड़ों की रक्षा के प्रबल पक्षधर थे कौटिल्य

**कौटिल्य ने इमारती लकड़ी के समुचित उपयोग के लिए किस लकड़ी से क्या वस्तु बनाई जानी चाहिए, इसका भी उल्लेख किया है। उनके अनुसार सागौन, तिनिश, धन्वन, अर्जुन, मधूक, तिलक, साल, शिशुप, अरिमेद, राजादन, शिरीष, खदिर (खैर), सरल,तालगर्ज, अश्वकर्ण, सोमवल्क, कशाभ्र, प्रियक, धव, सारादारु, आदि वृक्षों की काष्ठ ठोस, मजबूत और कठोर होती है। इस काष्ठ का प्रयोग मकान बनाने में किया जाना चाहिए। यथा-'शाकतिनिशधन्वार्जन मधूकतिलकसाल शिशु परिमेद- राजादनशिरीष खदिर सरलताल सजश्चि कर्ण सोम - वल्कशाभ्रप्रियक धवादिस्सार दारुवर्ण'।**

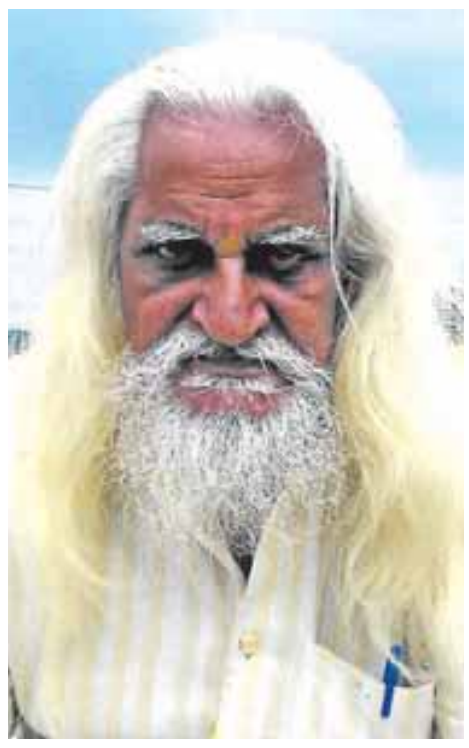

वृक्षों की सुरक्षा के प्रति हम आज जिस चिंता और जागरूकता का परिचय दे रहे हैं, कौटिल्य ने यह चिंता सैकड़ों वर्ष पूर्व व्यक्त की थी तथा अपने अर्थशास्त्र में लिखा है कि जो व्यक्ति विपत्ति के समय के अतिरिक्त यदि साधारण दशा में वृक्ष समूहों (वनों) को किसी प्रकार की क्षति पहुंचाये तो उससे न केवल क्षतिपूर्ति कराई जाये, बल्कि उसे दण्डित भी किया जाये। यथा-

द्रव्य वनन्छिदां च देवमत्ययं

च स्थापयेदन्यात्र पद् भयः। (कौटिल्य अर्थशास्त्र 2117)

वस्तुतः मौर्य युग में वृक्ष (पेड़ों), वनों एवं वन्यप्राणियों का बड़ा महत्व था। सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से उन्हें बहुत उपयोगी माना जाता था। वनों की रक्षा एवं वृद्धि का विभाग एक पृथक अमात्य के आधीन रहता था। इस अमात्य को 'कुप्याध्यक्ष' कहा जाता था।

इसके अधीन द्रव्यपाल तथा वन पाल आदि कर्मचारी होते थे। ये कर्मचारी वनों से विभिन्न पदार्थों को संग्रहित करते थे तथा काष्ठ से विविध सामग्री बनाने हेतु (कर्मान्तों) कारखानों का संचालन करते थे।

कौटिल्य ने इमारती लकड़ी के समुचित उपयोग के लिए किस लकड़ी से क्या वस्तु बनाई जानी चाहिए, इसका भी उल्लेख किया है। उनके अनुसार सागौन, तिनिश, धन्वन, अर्जुन, मधूक, तिलक, साल, शिशुप, अरिमेद, राजादन, शिरीष, खदिर (खैर), सरल, तालगर्ज, अश्वकर्ण, सोमवल्क, कशाभ्र, प्रियक, धव, सारादारु, आदि वृक्षों की काष्ठ ठोस, मजबूत और कठोर होती है। इस काष्ठ का प्रयोग मकान बनाने में किया जाना चाहिए। यथा-'शाकतिनिशधन्वार्जन मधूकतिलकसाल शिशु परिमेद- राजादनशिरीष खदिर सरलताल सजश्चि कर्ण सोम - वल्कशाभ्रप्रियक धवादिस्सार दारुवर्ण' (कौटिल्य अर्थशास्त्र 2117)

कौटिल्य ने अपने अर्थशास्त्र में बांसों, लताओं, रेशेदार वृक्षों, विभिन्न घांसों,पत्तो, फूलों,औषध- पादपों, जहरीले पौधों, विषैले जंतुओं, जंगली पक्षियों,इनकी हड्डियां और चमड़े, दांत,सींग, खुर, आदि का उल्लेख किया है तथा इनके उपयोग तक बताये हैं। कौटिल्य ने द्रव्यवन (सारदारु आदि इमारती काष्ठ के वनों को) दुर्ग यान और रथ का मूल कहा है-

द्रव्यवनं, दुर्ग कर्मणा या नरथयोश्च योनि (कौटिल्य अर्थशास्त्र 7/14)

कौटिल्य ने मनुष्यों की आजीविका तथा नगरों की रक्षा के लिए भी वनों को महत्वपूर्ण बताया है।

कौटिल्य ने जंगली पशुओं से मिलने वाली खालों का भी अपने अर्थशास्त्र में उल्लेख किया है। उन्होंने इन खालों की विशेषताओं का जिक्र करते हुए कई पशुओं की खालों को 'रत्न' कहा है तथा इनकी गणना मणि और मुक्ता के समतुल्य की है। कोषाध्यक्ष कीमती रत्नों के साथ इन खालों का भी संग्रह करता था।

कौटिल्य ने उन खालों को श्रेष्ठ बताया है जो नरम तथा घने बालों वाली होती हैं। कौटिल्य ने खालों का वर्गीकरण कांतनावक, प्रेयक, उत्तरपर्वतक, बिसी, महाबिसी, कालिका, चंद्रोत्तरा, सामूर, चीनसी, सामूली, खातिना, नलतुला, कपिला, और वृतपुच्छा आदि नामों से किया है।

उन्होंने इन खालों के गुण, अवगुण और उपयोग भी बताये हैं।

कौटिल्य ने कुछ वृक्षों या पेड़ों के रेशों से वस्त्र बनाने का भी उल्लेख किया है। सन के वस्त्र तो बनते ही थे, नागवृक्ष, लिकुच, वकुल और वट के रेशों से भी वस्त्र बनाये जाते थे। नागवृक्ष के रेशे पीले रंग के, लिकुच के गेहुंए रंग के, वकुल के सफेद रंग के तथा वट के मक्खन के रंग के रेशे होते थे। इन रेशों से उत्कृष्ट प्रकार के वस्त्रों को तैयार किया जाता था। (विनायक फीचर्स)

पुस्तक समीक्षा

अंकित शर्मा

समीक्षक

# 'तिरंगा और आरएसएस' के अंतर्संबंधों का विश्लेषण

राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा, भगवा ध्वज और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर अनेक प्रकार के भ्रम फैलाए जाते हैं। यहाँ तक कहा जाता है कि आरएसएस भगवा ध्वज को मानता है इसलिए संघ के स्वयंसेवक तिरंगा का सम्मान नहीं करते हैं। प्रखर राष्ट्रभक्त संगठन के बारे में इस प्रकार की भ्रामक बातों को यूँ तो समाज स्वीकार नहीं करता है परंतु फिर भी एक वर्ग तो भ्रम में पड़ ही जाता है। समाज को भ्रमित करनेवाले झूठे नैरेटिव का तथ्यात्मक उत्तर लेखक लोकेन्द्र सिंह ने अपनी बहुचर्चित पुस्तक 'राष्ट्रध्वज और आरएसएस' के माध्यम से दिया है। उन्होंने अपनी पुस्तक में राष्ट्रध्वज तिरंगा, सांस्कृतिक ध्वज भगवा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अंतर्संबंधों का विश्लेषण किया है। राष्ट्रध्वज और आरएसएस के संदर्भ में कई नए तथ्य यह पुस्तक हमारे सामने लेकर आती है। यह पुस्तक हमें बताती है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने कब और किन परिस्थितियों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के सम्मान में अपने प्राणों तक की आहुति दी है। इसके साथ ही यह पुस्तक राष्ट्रध्वज के निर्माण की कहानी से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण तथ्य भी हमारे सामने लेकर आती है।

हम सब जानते हैं कि ध्वज, किसी भी राष्ट्र के चिंतन एवं ध्येय का प्रतीक होता है। राजनीतिक रूप से विश्व पटल पर राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' भारत की पहचान है। 1905 से ही अनेक झंडे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में प्रस्तुत किये गए। जिसके बाद संविधान सभा द्वारा 22 जुलाई, 1947 को तिरंगे को राष्ट्रध्वज के रूप में स्वीकार किया। राष्ट्रध्वज के रूप में तिरंगे का सम्मान होने के साथ ही भगवा ध्वज को भारत का सांस्कृतिक प्रतीक माना जाता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भगवा ध्वज को अपना गुरु मानता है। भारत के 'स्व' से कटे हुए कुछ लोग और समूह भगवा ध्वज को नकारते हैं। साथ ही यह भ्रम भी फैलाते हैं कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तिरंगे को सम्मान नहीं देता। लेकिन ऐसा कहने वाले शायद ये नहीं जानते कि एक ध्वज का मान रखना दूसरे का निरादर करना कतई नहीं है। उन्हें

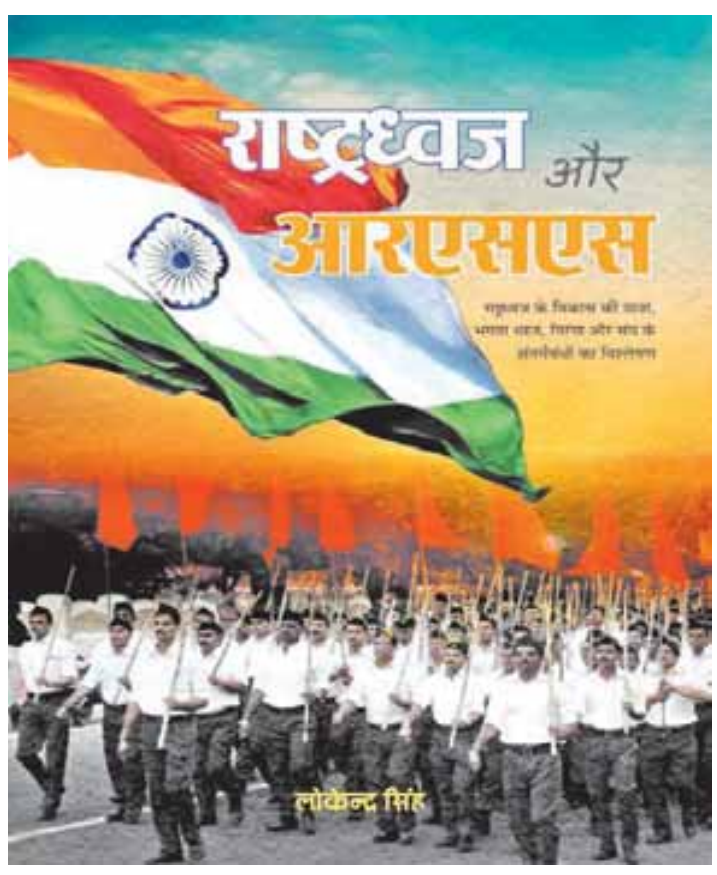


राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत की यह बात समझनी चाहिए, जिसमें वे कहते हैं कि स्वतंत्रता के जितने सारे प्रतीक हैं, उन सबके प्रति संघ का स्वयंसेवक अत्यंत श्रद्धा और सम्मान के साथ समर्पित रहा है।

लेखक लोकेन्द्र सिंह की पुस्तक 'राष्ट्रध्वज और आरएसएस' हमें स्मरण कराती है कि तिरंगे के सम्मान में संघ ने तब भी आंदोलन चलाए जब सत्ताधीश जम्मू-कश्मीर में राष्ट्र की संप्रभुता को ताक पर रखकर दो प्रधान, दो विधान, दो निशान (ध्वज) स्वीकार कर चुके थे। उन परिस्थितियों में भी संघ ने विरोध करते हुए देश में एक प्रधान, एक विधान, एक निशान होने की मांग की। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक राष्ट्र में एक ही ध्वज चलेगा, जो कि तिरंगा है। वर्ष 1942 में महात्मा गांधी के आव्हान पर हुए असहयोग आंदोलन के दौरान तिरंगा फहराते हुए स्वयंसेवकों को गोली लगने की बात हो, वर्ष 1947 में जम्मू कश्मीर में श्रीनगर की कई इमारतों पर पाकिस्तानी झंडे फहराने के विरोध में संघ के स्वयंसेवकों की कार्रवाई हो, या फिर गोवा मुक्ति आन्दोलन में संघ के स्वयंसेवकों को गोली लगने के बाद भी अपने हाथ से तिरंगा न गिरने देने की घटना हो। सभी अवसरों पर संघ के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रध्वज के सम्मान में सर्वोच्च बलिदान देने का साहस दिखाया है। ऐसे कई महत्वपूर्ण तथ्य इस पुस्तक के माध्यम से हमारे सामने आते हैं।

पुस्तक में यह भी उल्लेख आता है कि अपना नैरेटिव गढ़ने के लिए संघ और राष्ट्रध्वज तिरंगे को लेकर उन लोगों ने संघ के संदर्भ में अनेक भ्रांतियां फैलाई, जिन्होंने स्वयं ही 2022 से पहले तक अपने मुख्यालयों पर तिरंगा नहीं फहराया था। प्रमुख कम्युनिस्ट पार्टियों ने 2022 में पहली बार अपने पार्टी मुख्यालयों पर राष्ट्रध्वज फहराया। लेखक लोकेन्द्र सिंह ने ऐतिहासिक साक्ष्यों के आधार पर संघ और तिरंगे को लेकर फैलाये जाने वाले नैरेटिव से पर्दा उठाया है। अपनी पुस्तक में उन्होंने बड़ी ही सरलता से राष्ट्रध्वज के विकास की यात्रा में भगवा ध्वज का महत्व एवं तिरंगे के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक के अंतर्संबंधों का विश्लेषण प्रस्तुत किया है। यह बड़ी ही रोचक पुस्तक है।

जो भी सच जानने में रुचि रखते हैं, उन्हें 'राष्ट्रध्वज और आरएसएस' अवश्य पढ़नी चाहिए। यह छोटी पुस्तक है। लेखक ने गागर में सागर को समेटने का प्रयास किया है, जिसमें वे सफल रहे हैं। लेखनी में सहजता और सरलता है। पुस्तक अपने पहले अध्याय से लेकर आखिरी अध्याय तक पाठकों को बांधे रखने की क्षमता रखती है। 'राष्ट्रध्वज और आरएसएस' का प्रकाशन राष्ट्रीय विचारों को समर्पित अर्चना प्रकाशन, भोपाल ने किया है।

**पुस्तक : राष्ट्रध्वज और आरएसएस**
**लेखक : लोकेंद्र सिंह**
**पृष्ठ : 56**
**मूल्य : 70 रुपये**
**प्रकाशक : अर्चना प्रकाशन, भोपाल**

## बालक के अपहरण मामले में अब तक सुराग नहीं

**बैतूल।** आमला के सुभाष वार्ड में एक बालक का अपहरण करने का प्रयास किया था। इस घटना में अभी तक पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। कार्रवाई नहीं होने से नारजा लोगों में आक्रोश है। गुरुवार को सूर्यवंशी ढोलेवार कुंबी समाज युवा संगठन ने बैतूल पहुंचकर एसपी को ज्ञापन सौंपा और कार्रवाई की मांग की है। सौंपे ज्ञापन में बताया कि फुलचंद नारे के नाबालिक पुत्र की 16 अगस्त को

अज्ञात 3 व्यक्तियों द्वारा मारूती ओमनी से अपहरण कर ले जाने का प्रयास कर रहे थे, तभी अज्ञात व्यक्ति को मौके पर देखकर आरोपी फरार हो गए। अपहरण करने के प्रयास के संबंध में आमला थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। सूर्यवंशी ढोलेवार कुंबी युवा संगठन के लोगों का कहना है कि पुलिस कार्रवाई के नाम पर पुलिस नाबालिक को बार-बार थाने बुलाकर परेशान कर रही है। इससे बालक भयभीत है। परिजनों में भय का माहौल है। आमला पुलिस ने अपहरण का प्रयास करने वाले लोगों को अब तक नहीं पकड़ा है। संगठन के सभी लोगों ने एसपी से गुहार लगाई है कि अपहरण की कोशिश करने वाले अज्ञात आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि इस तरह की घटना दोबारा न हो। अगर पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की तो संगठन को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। इसकी जवाबदारी पुलिस प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान संगठन के अध्यक्ष अजय गंगारे, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश सरले, कोषाध्यक्ष महेश पारधे सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

## पुलिस ने जुए के अड्डे पर मारा छापा, नगदी समेत 10 लोगों को किया गिरफ्तार

**बैतूल।** पाथाखेड़ा पुलिस ने बुधवार रात एक जुआ फड़ पर दबिश देकर 10 जुआरियो को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को जमानत दे दी गई है। यहां 13 पुलिसकर्मियों की टीम ने छापा मारा था। जुआरियों से हजारों रुपए की रकम बरामद हुई है। चौकी प्रभारी वंशज श्रीवास्तव ने बताया की रात करीब 11 बजे चौकी मुखबिर की सूचना पर न्यु मार्केट, पाथाखेडा में बंद घर में चल रहे जुआ फड़ पर योजनाबद्ध तरीके से दबिश देकर मौके पर रुपयें पैसों से हारजीत का दाव लगा रहे 10 जुआरियों को पकड़ा गया। जिनसे मौके पर 22 हजार से ज्यादा की रकम बरामद की गई है। बताया जा रहा है की यहां लंबे समय से जुआं की फड़ चल रही थी। ये आरोपी पकड़े गए-1. अजय (32) साल,आकाश (27) हरिओम (26) जयप्रकाश (36), फारूख (29) ललन (39) विजय (36) सदानंद (64) अशोक (34)अशीम (34) को गिरफ्तार किया। जिन्हे पुलिस चौकी लाकर निजी मुचलके पर रिहा कर दिया गया है।

## आदिवासी युवकों की बेरहमी से पिटाई, वीडियो वायरल

**बैतूल।** सोशल मीडिया पर एक वीडिया जमकर वायरल हो रहा है जिसमें दो आदिवासी युवकों की डंडो से पिटाई की जा रही है। इस वीडियो के सामने आने के बाद आदिवासी समाज के लोगों ने दामजीपुरा चौकी में ज्ञापन सौंपकर जांच की मांग और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। आदिवासी समाज के रितेश चौहान ने बताया कि धर्मेंद्र कास्देकर और नितेश बारस्कर दोनों गरीब परिवार के और दामजीपुरा गांव के निवासी है। लगभग एक माह पहले नसरूल्लागंज की एक मिल में मजदूरी करने गए थे। मिल के अन्य कर्मचारियों के द्वारा एक माह पहले मोबाइल चोरी के शक में दोनों युवकों की डंडो से बेरहमी से पिटाई की है जिसके कारण उन्हें चोट लगी है।

# रूकमणि के बुलाने पर जहां आए थे श्रीकृष्ण, वहां होगी भागवत कथा

### प्रसिद्ध संत श्यामसुन्दर दास जी महाराज सुनाएंगे 24 अगस्त से कथा

**बैतूल।** भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं ज्यादतर मथुरा-वृंदावन, द्वारका और कुरूक्षेत्र में हैं लेकिन महाराष्ट्र का विदर्भ क्षेत्र भी भगवान की लीलाओं से अछूता नहीं है। भले ही वर्तमान समय में विदर्भ की उस पावन धरती को लोग नहीं जानते हों जहां भगवान के चरण पड़े लेकिन धार्मिक पुराण भागवत आदि इस क्षेत्र की पावनता के साक्षी हैं। ऐसा ही पावन क्षेत्र है महाराष्ट्र के अमरावती में स्थित कौन्डन्यपुर। अमरावती से 60 किमी दूर आरवी रोड पर स्थित इस महान धाम को मां रूकमणि की सच्ची साधना और उनका भगवान श्रीकृष्ण के लिए अगाध प्रेम और भक्ति के लिए जाना जाता है। इस संबंध में मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में मां ताप्ती के किनारे स्थित सूर्य मंदिर के संत श्यामसुन्दर जी दास महाराज ने बताया कि द्वापर युग में भीष्मक नामक परम तेजस्वी राजा इस विदर्भ राज्य में राज करता था। वर्तमान में कौन्डन्यपुर नाम का स्थान पहले कुण्डिनपुर नाम से उस राज्य की राजधानी था। राजा भीष्मक के पांच पुत्र और एक पुत्री थी। मां महालक्ष्मी का अवतार पुत्री रूकमणि सभी सदगुणों से भरपूर थी और पूजा-पाठ में सतत साधनारत रहती थी। भगवान श्रीकृष्ण का ध्यान और मन ही मन उनकी नित्य भक्ति कर उन्हें ही अपने

पति स्वरूप मानने लगी थी। लेकिन रूकमणि का भाई रूक्मी श्रीकृष्ण से शत्रुता रख उनके दुश्मन शिशुपाल से अपनी बहन का विवाह कराना चाहता था। जब इस बात का पता रूकमणि को लगा तो उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण को व्दारका संदेश भेजा और कहा कि वे मां गिरजा के मंदिर में पूजा करने जाएंगी और यदि तब तक भगवान आकर उन्हें न ले गए तो वे वहीं प्राण त्याग देंगी। भगवान श्रीकृष्ण यह संदेश पाकर तुरंत कौन्डन्यपुर के लिए निकल पड़े और समय पर पहुंचकर रूकमणि को साथ ले जाकर विवाह किया।

भागवत शनिवार से आरंभ भगवान के चरण रज से पावन हुई कौन्डन्यपुर की इस धरा पर मां रूकमणि के साधनास्थल पर निर्मित मंदिर परिसर में ही 24 अगस्त से लेकर 30 अगस्त तक दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक भागवत कथा का आयोजन किया गया है। संत शिरोमणि श्यामसुन्दर दास जी महाराज के मुखारबिंद से इस श्रीमद कथा का वाचन होगा। इसमें 150 किमी दूर बैतूल के अलावा मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के श्रोता शामिल होकर पुण्यलाभ अर्जित करेंगे। 26 अगस्त को जन्माष्टमी पर भी यहां कार्यक्रम का आयोजन होगा।

# कब मुक्त होगी लोक निर्माण विभाग की पुराने नागपुर रोड की भूमि

### तूल पकड़ रहा है पुराने नागपुर रोड पर अतिक्रमण का मामला

**बैतूल/मुलताई।** लोक निर्माण विभाग ने अपनी पुराने जमाने की सड़कों को छोड़कर नई सड़के बना ली, तो लोगों ने लोक निर्माण की पुरानी सड़कों पर अवैध कब्जा कर लिया। मुलताई के नागरिक लंबे समय से इन पुरानी सड़कों से अवैध कब्जे हटाकर इन मार्गों को जन उपयोगी बनाने की मांग करते आ रहे हैं किंतु कोई नतीजा नहीं निकला। हाल ही में नागरिकों ने जनसुनवाई एवं ज्ञापन के माध्यम से पुराने नागपुर रोड की करोड़ों रुपए मूल्य की कीमती भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराए जाने की मांग की इसके बाद से नाका नंबर 1 से विश्वकर्मा मंदिर नागपुर रोड तक लोक निर्माण विभाग की पुरानी सड़क जिसकी चौड़ाई 80 फिट है और लंबाई लगभग 1 किलोमीटर भूमि को मुक्त करने की मांग जोर पकड़ने लगी है। उल्लेखनीय है की लंबे समय से यह मांग उठाती रही है क्योंकि कल तक नगरी सीमा से बाहर की यह भूमि आज नगरी सीमा मे कीमती जमीन है जिसके मूल्य का अनुमान लगाना भी आज कठिन है। सजल शिवहरे बताते हैं कि शासन की अनेक महत्वाकांक्षी योजनाएं नगरीय सीमा में शासन की भूमि ना होने के कारण समीप के ग्रामों की ओर जा रही है वहीं दूसरी ओर शासन अपनी भूमियों पर से अवैध कब्जे नहीं हटा पा रहा है।

**जनसुनवाई में उठा नागपुर पुराने रोड से अवैध कब्जा हटाने का मामला-** हाल ही में जनपद कार्यालय में जनसुनवाई में जीवन डोंगर दिए, हरिराम पवार, सजल शिवहरे, जीतू ड़हारे ने एसडीएम के नाम आवेदन सौप कर पुराने लोक निर्माण विभाग के नागपुर रोड को अतिक्रमण मुक्त किए जाने की मांग की। सौंपे गए आवेदन में कहा गया है कि पूर्व में कब्रस्तान से लेकर विद्युत विभाग होते विश्वकर्मा मंदिर तक पुराना नागपूर रोड हुआ करता था जोकि लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत था जहा से बड़े वाहन चला करते थे लेकिन वर्तमान में यह सडक को बंद किया गया लेकिन कब्रस्तान से लेकर विश्वकर्मा मंदिर तक लोगों ने स्थाई अतिक्रमण कर लिया है। प्रशासन के समझाईश आदेश के बाद भी ये अपना कब्जा नहीं छोड रहे है जिससे भूमि का उपयोग प्रशासन भी नहीं कर पा रहा है। आज वर्तमान में यह भूमि अरबों रूपयों की है जोकि प्रशासन का ही नुकसान है। आवेदन में मांग की गई है कि नागपूर नाके से कामथ तक की जमीन की नपाई की जाए और अतिक्रमण को हटाया जाये ये लगभग 80 फुट की रोड़र हुआ करता था जो कि अब नहीं है।

**लोक निर्माण विभाग का आधा किलोमीटर रोड हुआ गायब-** नाका नंबर 1 से विश्वकर्मा मंदिर तक 1 किलोमीटर की सड़क नाका नंबर 1 से आधा किलोमीटर तो कहीं-कहीं दिखाई देती है किंतु उसके बाद से आधा किलोमीटर सड़क पूरी तरीके से गायब हो गई है। कहीं कब्जा है तो कहीं खेती हो रही है। कुछ लोगों का कहना है कि लोगों ने इस भूमि पर पट्टे ले रखें है किंतु लोक निर्माण अधिकारी राजेश राय कहते हैं कि यह संभव नहीं है क्योंकि पीडब्ल्यूडी की भूमि के पट्टे देने का अधिकार राजस्व को नहीं है।

#### इनका कहना

पुराने नागपुर रोड की भूमि लोक निर्माण की संपत्ति है अगर हमारे पास इस प्रकार की कोई शिकायत आती है तो हम राजस्व को नपाई के लिए लिखकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करेंगे।

**-राजेश राय,**
एसडीओ लोक निर्माण विभाग मुलताई

## करोड़ों का अस्पताल, शुरू होने से पहले खुली गुणवत्ता की पोल

**बैतूल।** स्वास्थ्य विभाग अस्पतालों में इलाज करने डॉक्टर और स्टाफ उपलब्ध करा नहीं पा रहा है। अलबत्ता जगह-जगह करोड़ों रुपयों के आलीशन भवन जरुर खड़े कर दे रहा है। इन भवनों का निर्माण कितनी गंभीरता से किया जा रहा है, इसकी पोल भी निर्माण के तुरंत बाद ही खुल जा रही है। जिला मुख्यालय के समीप बसे लगभग 8 हजार की आबादी वाले ग्राम खेड़ी सांवलीगढ़ में बने अस्पताल भवन के भी कुछ इसी तरह के हाल है। यह भवन अभी विधिवत शुरू भी नहीं है, लेकिन इसकी गुणवत्ता की पोल अभी से खुल गई है।

खेड़ी सांवलीगढ़ और आसपास के लगभग दो दर्जन गांवों को चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के लिए खेड़ी सांवलीगढ़ में 30 बिस्तर वाला अस्पताल भवन बनाकर तैयार किया गया है। भवन बना तो दिया गया, लेकिन आनन फानन में किए गए निर्माण कार्य की पोल पहली बरसात में ही खुलने लगी है। अस्पताल भवन के बाहर निर्माण एजेंसी ने जो पेविंग ब्लॉक लगाए हैं वे जमीन में धंसने लगे हैं। वहीं प्लास्टर में कुछ जगह दरार दिखलाई दे रही है। बताया जाता है कि इस अस्पताल भवन की लागत 7 करोड़ रुपये हैं। बावजूद इसके गुणवत्ता ताक पर रख दी गई। ग्रामीणों का कहना है कि अभी भले ही अस्पताल शुरू नहीं हुआ है, लेकिन इसकी पेविंग ब्लॉक जमीन में धंस रही है। हालांकि अभी अस्पताल भवन स्वास्थ विभाग को ठेकेदार ने हेंडओवर नहीं किया है। लेकिन, इसका उद्घाटन किया जा चुका है। इस तीस बिस्तर वाले प्राथमिक स्वास्थ केंद्र में ग्राम खेड़ी सावलीगढ़, सराड़, चिचढाना, कनारा, पीपल ढाना, डहरगांव, महदगांव, सेलगांव, सावंगा, दभेरी, देवगांव, हिवरखेड़ी, भडूस, डोंढवाड़ा, बवाई, नएगांव, करजगांव, रोढ़ा, भयवाड़ी, पगारा, डोक्या पाढर सहित अन्य गावों को चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जाएगी। यह अस्पताल ग्रामीणों के लिए सर्वसुविधा युक्त अस्पताल होगा। इसके चालू होने से ग्रामीणों को जिला मुख्यालय जाने की जरुरत नहीं पड़ेगी। इस बारे में सीएमएचओ बैतूल का कहना है कि शासन से जब पर्याप्त स्टाफ और बजट प्राप्त होगा, तभी इसे चालू किया जाएगा।

## निहारिका ने जीता कराटे में सोना

**बैतूल।** चौथी वेस्ट जोन कराते चौंपियनशिप 2024, अंडर 21 इंदौर में संपन्न हुई। जिसमें निहारिका सिंह चौहान ने काता में गोल्ड और कुमिते में कांस्य पदक जीता। बैतूल में बस संचालक करण सिंह चौहान व श्रीमती रेखा चौहान की बेटी रामनगर निवासी एलएनआईपी ग्वालियर में डिप्लोमा कर रहीं हैं। कोच महेन्द्र सोनकर ने बताया कि खेल पर फोकस और सही निर्णय लेने के लिए उसने सुदर्शन क्रिया ध्यान का सहारा लिया। इनकी इस उपलब्धि पर जिले के खेल प्रेमियों, इष्ट मित्रों और परिजनों ने बधाई दी है।

## बैतूल : देर रात रोड पर आवारा मवेशियों के चलते हुई सड़क दुर्घटना

### जिला चिकित्सालय के मैनेजर की तत्परता ने बचाई जान

**बैतूल।** डॉ. अम्बुलकर ने शासन के द्वारा चलाई जा रही योजना के तहत दुर्घटना में घायल युवक को जिला चिकित्सालय पहुंचने वाले नागरिक को पुरस्कृत करने की योजना में अपने नाम को दर्ज करने से मना कर दिया उनका कहना है कि यह हर मानव का कर्तव्य है कि सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को उपचार हेतु चिकित्सालय तक पहुंचाने का फर्ज निभाएं जो मैंने निभाया ओर उसके चलते किसी की जान बच गयी यही मेरे लिए सबसे बड़ा उपहार है। जिला चिकित्सालय में पदस्थ जिला चिकित्सालय मैनेजर डाक्टर शिवेंद्र अम्बुलकर के द्वारा गुरुवार देर रात लगभग 11 बजे के आसपास इटारसी रोड आईटीआई के सामने एक बाइक चालक की गाय से टक्कर हो जाने पर घायल हुए तीन लोगों को जिला चिकित्सालय लाकर उपचार कराया जिसमें से एक युवक आकाश पांड्रे उम्र 21 साल निवासी राजडोगंरी जिला छिंदवाड़ा की हालत गंभीर होने पर उसे तत्काल जिला चिकित्सालय में 108 पुलिस की सहायता से भर्ती कराया साथी सामने लेकर उसका उपचार भी कराया डॉ. शिवेंद्र अम्बुलकर ने बताया कि वह खाना खाकर वापस लौट रहे थे कि अचानक उनके सामने बाइक चालक रोड

पर बैठे मवेशी से टकरा गया जिसके चलते बाइक चालक सहित बाइक पर बैठे दो अन्य लोग भी घायल हो गए परंतु बाइक चला रहा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया उसे कई जगह पर गंभीर चोटें आई थीं और उसे लहूलुहान हालत में जिला चिकित्सालय लाया गया सही समय पर जिला चिकित्सालय लाने पर युवक की जान बच गई वहीं अन्य दो युवकों को भी मामूली चोटे आई जिनका उपचार बैतूल जिला चिकित्सालय में चल रहा है आपको बता दे की इन दोनों बैतूल जिला मुख्यालय के रोड़ो पर देर रात मवेशियों का जमावड़ा आम बात हो गई है वही बैतूल जिला मुख्यालय के सभी रोडो की दुर्दशा के चलते आए दिन दुर्घटना का शिकार जनता हो रही है इसके बावजूद भी शासन प्रशासन द्वारा इस और कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। अपील -हम सभी से अपील करते हैं कि कहीं पर भी सड़क दुर्घटना होने पर यदि दुर्घटना में शिकार लोगों को किसी भी पास के अस्पताल में उपचार हेतु निडर ले जाएं आपको बता दे कि इस प्रकार के घायलों को उपचार हेतु चिकित्सालय पहुंचने पर मदद करने वाले नागरिकों को किसी भी तरह की कानूनी करवाई से नहीं गुजरना पड़ेगा बल्कि शासन के द्वारा इस तरह मदद करने वालों को प्रोत्साहित भी किया जा रहा है आपकी इस मदद से दुर्घटना में घायल हुए लोगों की जान बच सकतीं हैं।

# बिजली कंपनी के मनमाने बिल के खिलाफ फोरम जाएगी नपा !

**बैतूल।** नगरपालिका की आर्थिक स्थिति गड़बड़ाने में इस समय विद्युत कंपनी को मुख्य रूप से जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। हालांकि यह सिलसिला काफी पुराना है, जब बिजली बिलों को लेकर नपा और बिजली कंपनी में जमकर खींचतान चली आ रही है। पिछले दिनों बिजली बिल की राशि जमा न करने पर बिजली कंपनी ने नगरपालिका मद से लाखों रुपए की राशि काट ली गई।

इसके बावजूद नपा को जून-जुलाई का मनमाना बिल थमाएं जाने के बाद नपा अब उपभोक्ता फोरम जाने की बात कर रही है। यदि ऐसा हुआ तो दोनों विभागों में ठनना तय माना जा रहा है। दूसरी तरफ बिजली कंपनी ने नपा के सारे आरोपों को बेबुनियाद बताते कहा कि चुंगी क्षतिपूर्ति कर से राशि काटी नहीं गई है। नपा के अधिकारियों को इस संबंध में स्थिति स्पष्ट करना चाहिए।

जानकारी के मुताबिक नगरपालिका और बिजली कंपनी में बिजली बिलों को लेकर लंबे समय से खींचतान जारी है। नगरपालिका अपने विद्युत संयंत्रों समेत शहर के मोटर पंप, स्ट्रीट लाइट और अन्य स्थानों के बिजली बिलों का भुगतान बिजली कंपनी को करते आ रही है, लेकिन कुछ माह से स्थिति यह है कि कंपनी द्वारा बिलों में मनमानी में बढ़ोत्तरी कर देने से आर्थिक संकट में चल रही नपा पर दोहरी मार पड़ रही है। इस

संबंध में पिछले कई माह से नगरपालिका और बिजली कंपनी के बीच पत्राचार का सिलसिला जारी है, लेकिन इसमें कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आया है। नतीजा यह हुआ कि पत्राचार का सिलसिला अब नपा सीधे उपभोक्ता फोरम तक ले जाने के लिए कमर कस रही है।

**चुंगी कर से राशि कटी, फिर भी मनमाना बिल-** नगरपालिका ने पिछले दिनों विद्युत कंपनी के दक्षिण संभाग के डीई को पत्र लिखकर चुंगी क्षतिपूर्ति से राशि कटौती करने की जानकारी उपलब्ध कराई है। नपा ने विद्युत विभाग को बताया कि जून 2022 में नपा ने चुंगी क्षतिपूर्ति से कंपनी को 6 करोड़ 67 लाख, दिसंबर 2022 में 26 लाख 42 हजार, जनवरी 2023 में 25 लाख, फरवरी 2023 में 24 लाख 67 हजार, अप्रैल 2023 में 31 लाख 55 हजार, जुलाई 2023 में 58 लाख 96 हजार, सितंबर 2023 में 1 करोड़ 8 लाख 57 हजार, दिसंबर 2023 में 33 लाख 36 हजार और जनवरी 2024 में 1 लाख 88 हजार रुपए की राशि काटी गई है।

इसके बावजूद मासिक चुंगी कर से राशि काटने के बावजूद विद्युत समायोजन किन देयकों में किया है। इसकी जानकारी विद्युत कंपनी ने नपा को पत्र के बावजूद अवगत नहीं कराई। इससे नपा की चुंगी कर की राशि सीधे प्रादेशिक स्तर से कटने पर नपा की आर्थिक स्थिति डगमगा रही है।

**नपा के सामने अब दो विकल्प-** सूत्र बताते हैं कि बिजली कंपनी द्वारा चुंगी कर से लगातार राशि काटने के बाद किन बिलों में इसका समायोजन किया। इस बात से आज तक नपा को अवगत नहीं कराया। इस बीच कंपनी ने जून माह में 15 लाख 25 हजार रुपए, मई माह में 41 लाख 90 हजार का बिल नपा को थमाया है। जबकि 24 जून की स्थिति में 1 करोड़ 20 लाख का बिल नपा द्वारा विद्युत कंपनी को चुकाया जा चुका है। इसके बाद नपा अब मनमानी बिलिंग के खिलाफ फोरम में जाने की तैयारी कर रही है।

**नपा अध्यक्ष भी नाराज, पीआईसी में उठा मुद्दा-** बिजली कंपनी के मनमाने बिल से नपा की गड़बड़ा रही आर्थिक स्थिति से नपा अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर भी नाराज है। सूत्र बताते हैं कि पीआईसी की बैठक में अध्यक्ष बारस्कर को सभी सभापतियों ने विद्युत कंपनी द्वारा थमाए जा रहे मनमाने विद्युत देय को लेकर असंतोष जाहिर किया है। इसके बाद नपा ने विद्युत कंपनी को पत्र लिखकर चुंगी कर से कटौत्रा की राशि जानकारी मांगी है, लेकिन अब तक नपा मिलने के बाद सरचार्ज की राशि जोड़ने से विद्युत बिल अधिक आ रहे हैं। नपा अध्यक्ष की नाराजगी के बाद अब नपा बिजली कंपनी से आर-बपार की लड़ाई लड़ने के मूड में दिखाई दे रही है।

#### इनका कहना

विद्युत कंपनी को हमने चुंगी क्षतिपूर्ति कर से कटौत्रा की गई राशि के संबंध में कई बार जानकारी मांगी, लेकिन उपलब्ध नहीं हुई। नपा अध्यक्ष और सभापति भी अधिक बिजली बिलों को लेकर नाराजगी जता चुके हैं। जल्द निर्णय नहीं होता है तो हम आगे विविधत निर्णय लेंगे।

**- ओमपाल सिंह भदौरिया,** सीएमओ बैतूल

नपा को इस संबंध में गलतफहमी है। जून में जो राशि कटी वह एसटी में चली गई। बाकी राशि समायोजित नहीं हुई है। नपा को अधिकारियों इस संबंध में स्थिति स्पष्ट करना चाहिए।

**- बीएस बघेल,** डीई बिजली कंपनी, दक्षिण संभाग बैतूल

## नवनिर्माणाधीन मकान में चोरों ने लगाई सेंध, ताला तोड़कर सेंट्रिंग और कटर मशीन सहित सामान पर किये हाथ साफ

**बैतूल।** शहर में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। बढ़ती चोरी की घटनाओं से लोग दहशत में है। बुधवार की रात को गंज थाना क्षेत्र के टेलीफोन कॉलोनी में एक नवनिर्माणाधीन मकान में चोरों ने सेंध लगा दी। यहां से सेंट्रिंग सहित कई सामान लेकर चले गए। चोरी की घटना में हजारों रूपए का नुकसान हुआ है। चोरी की शिकायत गंज थाने में दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक टेलीफोन कॉलोनी निवासी गणेश देशमुख का नया मकान का निर्माण हो रहा है। निर्माणाधीन मकान के एक कमरे में सामान रखा था। बुधवार की रात को अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर मकान से सेंट्रिंग की प्लेटे, टाईल्स कटर मशीन, हेंगर मशीन, पाईप सहित अन्य सामान चोरी कर लिया। इस चोरी की घटना में लगभग 50 हजार रुपए का नुकसान होना बताया जा रहा है। गंज क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से चोरी की घटनाएं सामने आ रही है। पुलिस बढ़ती चोरी की घटनाओं को लेकर गंभीर नहीं है। इस घटना के पहले भी कई चोरी की वारदातें हो चुकी हैं। इन सभी घटनाओं में पुलिस के हाथ खाली है। अब तक पुलिस चोरों का सुराग नहीं लगा पाई। कुछ महीने पहले गंज व्यवसायिक क्षेत्र में हुई चोरी की घटनाओं को लेकर व्यापारियों ने एसपी से मुलाकात कर कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन इसके बावजूद भी ना तो कोई ठोस कार्रवाई हुई और ना ही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लग पाया। चोरों को जरा भी पुलिस का भय नहीं है। चोर आसानी से घटना को अंजाम दे देते है।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2024 पर

## रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के विज्ञान संचार केंद्र द्वारा छात्रों को किया गया जागरूक

**भोपाल।** रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के विज्ञान संचार केंद्र ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2024 के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर विज्ञान और अंतरिक्ष के प्रति छात्रों में जागरूकता और रुचि बढ़ाने का प्रयास किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय की डीन डॉ पूर्वी भारद्वाज और विधि संकाय के डीन डॉ नीलेश शर्मा बतौर मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित थे।

टेलीस्कोप संचालन पर आयोजित कार्यशाला खगोल विज्ञान में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस कार्यशाला में छात्रों को टेलीस्कोप के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी गई और उसे संचालित करने की विधि भी सिखाई गई। चंद्रयान मिशनों पर आधारित फिल्म शो में छात्रों को भारत के अंतरिक्ष अभियानों की रोमांचक और प्रेरणादायक यात्रा से अवगत कराया गया। इसके बाद हुए ओपन हाउस क्विज में छात्रों ने अंतरिक्ष विज्ञान और इसरो के बारे में अपने ज्ञान का प्रदर्शन किया और नए तथ्यों को सीखा।

कार्यक्रमों में मुख्य रूप से चंद्रयान मिशनों की यात्रा पर आधारित फिल्म शो, इसरो और उनके द्वारा संचालित मिशनों पर ओपन हाउस क्विज और टेलीस्कोप संचालन पर कार्यशाला में विस्तृत रूप से जानकारी साझा की गई। इस कार्यक्रम के समन्वयक विज्ञान संचार केन्द्र के निदेशक डॉ. प्रबाल राय थे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विज्ञान, इंजीनियरिंग और विधि संकाय के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

## आखिरकार कलेक्टर मेडम किसानों से रू-ब-रू होकर सांत्वना के दो बोल क्यों नहीं कहना चाहती..?

**नर्मदापुरम।** मूंग भुगतान को लेकर पिछले एक महीने से भटक रहे हैं किसानों की इस समस्या का हल प्रशासन नहीं निकाल पा रहा फिर किसान जब कलेक्टर से मिलने पहुंच रहे तो किसानों से कलेक्टर रू-ब-रू होकर वे उन्हें सांत्वना देना तक पसंद नहीं कर रही आखिर क्यों..? कलेक्ट्रेट में आज ग्राम शैल के आधा सैकड़ा किसान भुगतान समस्या को लेकर कलेक्टर से मिलने पहुंचे थे।

लेकिन कलेक्टर ने उनसे मिलना पसंद नहीं किया बल्कि अपने अधीनस्थ अधिकारी को उनसे मिलने भेज दिया। अधिकारी किसानों से मिली मामला समझा कुछ जगह फोन लगाए लेकिन किसानों को वे भुगतान क्यों नहीं हो रहा बताने में सफल नहीं हुई। फिर कलेक्ट्रेट की अधिकारी ही क्यों इस समय तो डीएमओ जिससे समस्या हल होगी वह तक खामोश है। रजिस्टार तक इस विषय पर खुलकर बता नहीं पा रहे कि एक महिने से ज्यादा समय हो गया किसानों को अपनी फसल की कीमत नहीं मिल रही क्यों..? समस्या निराकरण को लेकर विपणन कार्यालय भी खुल कर नहीं बोल रहा, ऐसे ही हालात संयुक्त संचालक कृषि विभाग 16 से 26 तक की छुट्टी पर है। उपार्जन केन्द्र क्रमांक 58226252 राधाकृष्ण वेयर हाउस सोनखेड़ी के किसान जो कुछ कह रहे हैं अगर वह सही है तो निश्चित है कलेक्टर किसानों से रू-ब-रू होकर उन्हें सांत्वना नहीं दे सकती। क्योंकि राधा कृष्ण वेयर हाउस में समिति ने खरीदी की है। उसमें स्लाट बुक हुए हैं लेकिन छह महीने पहले ही इस वेयर हाउस का रजिस्ट्रेशन खारिज हुआ है वे बता रहे। वेयर हाउस संचालक किसानों को आश्वसन देते हैं भुगतान जल्द हो जायेगा। कलेक्ट्रेट समस्या बताने आए किसानों में नीलेश गौर, पवन गौर, सुधीर गौर, गौरीशंकर गौर,रजत गौर, रत्नेश गौर, तेजराम, अमरीश दीपक चौबे आदि उपस्थित थे ।

## शासकीय दर पर मत्स्य बीज उपलब्ध

**नरसिंहपुर।** जिले की जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत बगासपुर में शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में शासकीय दर पर मत्स्य बीज उपलब्ध हैं। मछुआ सहकारी समितियां, समूह एवं अन्य मत्स्य पालक मत्स्य बीज क्रय कर तालाबों व जलाशयों में मत्स्य बीज संचयन कर सकते हैं। मत्स्य बीज उपलब्धता के संबंध में नरसिंहपुर, गोटेगांव, करेली, सांईखेड़ा, चांवरपाठा व चीचली के जनपद सीईओ को सहकारी समितियों, समूहों एवं अन्य मत्स्य पालकों को जानकारी से अवगत कराने के लिए कहा गया है। इस संबंध में मत्स्य बीज प्रक्षेत्र प्रभारी मत्स्य निरीक्षक श्री एसके बक्शी के मोबाइल नम्बर 9926770650 से सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है। यह जानकारी सहायक संचालक मत्स्योद्योग नरसिंहपुर ने दी है।

## पंचायतों के उप निर्वाचन के तहत बनाया गया जिला स्तरीय कंट्रोल रूम

**नरसिंहपुर।** पंचायतों के उप निर्वाचन वर्ष- 2024 के मद्देनजर उप जिला निर्वाचन अधिकारी स्थानीय निर्वाचन नरसिंहपुर ने जिला स्तरीय निर्वाचन कंट्रोल रूम बनाया है। यह कंट्रोल रूम कलेक्ट्रेट नरसिंह भवन के कक्ष क्रमांक 4 में बनाया गया है, जिसका टेलीफोन नम्बर 07792-230681 है। कंट्रोल रूम के नोडल अधिकारी सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग श्रीमती अंजना त्रिपाठी को नियुक्त किया गया है। नोडल अधिकारी कंट्रोल रूम में कार्यरत कर्मचारियों की ड्यूटी अपने स्तर से लगाना सुनिश्चित करेंगी। निर्वाचन से संबंधित सूचनायें व शिकायतों को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन को अवगत करायेंगी।

# एक लाख 63 हजार 500 स्वसहायता समूहों को आर्थिक गतिविधियों के लिए 3584 करोड़ का ऋण

## प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर गांव का सपना पूरा करने में मप्र रहेगा आगे : प्रहलाद पटेल

### पिछले पांच सालों में बैंक ऋण देने में 12 गुना बढ़ोत्तरी

**भोपाल।** मध्यप्रदेश में महिलाओं के स्व-सहायता समूहों की बढ़ती आर्थिक गतिविधियों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था अब तेजी से मजबूत हो रही है। वर्ष 2023-24 में एक लाख 63 हजार 500 स्व-सहायता समूहों को सार्वजनिक, निजी और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने आर्थिक गतिविधियां शुरू करने के लिए 3584 करोड़ का ऋण उपलब्ध कराया गया। वर्ष 2012-13 से अब तक 7.09 लाख स्व-सहायता समूहों को 10 हजार 337 करोड़ रूपए का बैंक ऋण उपलब्ध कराया गया। पिछले पांच सालों में स्व-सहायता समूहों के आर्थिक रूप से सक्षम होने से बैंकों द्वारा दी जाने वाली ऋण की राशि भी बढ़ती जा रही है।

पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने स्व-सहायता समूहों की मेहनती सदस्य बहनों को साख सुविधा उपलब्ध कराने के लिये बैंकों का आभार माना है। उन्होंने बैंकों से ऋण चुकाने की क्षमता अनुसार और ज्यादा मदद करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि गांवों में रहने वाले परिवारों की आर्थिक आत्मनिर्भरता से गांवों की समृद्धि बढ़ेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर गांव

समृद्ध गांव का सपना पूरा करने में मध्यप्रदेश आगे बढ़कर काम करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिये एक नवम्बर से महिला सशक्तीकरण मिशन की शुरूआत हो रही है।

**बैंक ऋण वितरण में 12 गुना वृद्धि-** वर्ष 2019-20 में स्व-सहायता समूहों को 303 करोड़ रूपए बैंक ऋण दिया गया था, जबकि वर्ष 2023-24 में 3584 करोड़ रूपए राशि का बैंक ऋण उपलब्ध करवाया गया। इस प्रकार पिछले पांच वर्षों में बैंक ऋण वितरण में 12 गुना बढ़ोतरी हुई है। इन समूहों का एनपीए यानी फंसे हुए कर्ज की राशि मात्र 1.1 प्रतिशत है। यह इस बात का प्रमाण है कि मध्यप्रदेश के गांवों की मेहनती महिलाएं वित्तीय अनुशासन के प्रति बहुत ज्यादा सचेत हैं। वर्ष 2020-21 में 510 करोड़, वर्ष 2021-22 में 1408 करोड़ और वर्ष 2022-23 में 2452 करोड़ का बैंक ऋण दिलाया गया। राष्ट्रीय स्तर पर बैंक ऋण राशि वितरण में पिछले पांच सालों में 39 प्रतिशत वार्षिक दर की प्रगति है जबकि मध्यप्रदेश में 217 प्रतिशत वार्षिक प्रगति दर से समूहों को ऋण राशि का वितरण हुआ है। वर्ष 2024-25 में अब तक 68 हजार 414 स्व-सहायता समूहों को सार्वजनिक निजी और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों से अपनी आर्थिक गतिविधियों के लिए 1101 करोड़ रुपये का ऋण मिला है।

स्व-सहायता समूहों की संख्या और उनके सदस्यों को मिले बैंक ऋण के आधार पर पहले 10 जिलों में बालाघाट में सबसे ज्यादा 8131 समूहों को 200 करोड़ का ऋण मिला। दूसरे नम्बर पर छिन्दवाड़ा के 8002 समूहों को 192 करोड़, तीसरे नम्बर पर सिवनी के 7050 समूहों को 148 करोड़ का बैंक ऋण मिला। चौथे नम्बर पर मंडला के 6688 समूहों को 142 करोड़, पांचवें नम्बर पर धार के 6603 समूहों को 126 करोड़, बैतूल के 6183 समूहों को 141 करोड़ बैंक ऋण मिला। शहडोल के 5915 समूहों को 103 करोड़, सतना के 5574 समूहों को 111 करोड़, सागर के 4980 समूहों को 102 करोड़ और झाबुआ के 4900 समूहों को 109 करोड़ का ऋण मिला।

**आर्थिक बदलाव की पटकथा लिख रही समूह की महिलाएं-** बालाघाट के लांजी विकासखंड के खाण्डाफरी ग्राम पंचायत के 14 सदस्यों वाला आराधना आजीविका स्व-सहायता समूह वर्ष 2017 में बना। समूह ने वर्ष 2020 में डेढ़ लाख रूपये का ऋण लिया और इसे चुका कर वर्ष 2021 में तीन लाख का ऋण लिया और एक साल के भीतर इसे चुका कर 2022 में छह लाख का ऋण लिया। अब ऋण चुकाने की क्षमता और बढ़े आत्मविश्वास के सहारे समूह ने पिछले साल मार्च में 10 लाख का ऋण लिया है। कई सदस्य एक साथ 2-3 आर्थिक गतिविधियां भी कर रहे हैं। पार्वती बूढ़ाजले किराना दुकान भी चलाती हैं और मुरमुरा बनाने का भी काम करती हैं। भोजकली सोनवाने खेती भी करती हैं और फर्नीचर निर्माण में भी पारंगत हैं। उन्हें सालाना एक लाख 40 हजार तक की आमदनी हो रही है।

सिवनी जिले के सिवनी विकासखंड के खैरी ग्राम पंचायत के सिमरिया गांव का 12 सदस्यों वाला अम्बिका स्व-सहायता समूह वर्ष 2020 में बना। इसकी अध्यक्ष प्रभा चौधरी हैं। पहली बार यूनियन बैंक ऑफ इंडिया से एक लाख 50 हजार रूपये का ऋण लिया। इसे चुका कर वर्ष 2021-22 में तीन लाख का दूसरा ऋण लिया और इसे लौटा कर वर्ष 2023-24 में छह लाख का ऋण लिया। इस प्रकार 10 लाख 50 हजार रूपये से सभी बारह सदस्य महिलाओं ने छोटी-छोटी आर्थिक गतिविधियां शुरू की। सविता चौधरी ने जनरल स्टोर शुरू किया और एक लाख 20 हजार रूपये की वार्षिक आमदनी उन्हें हो रही है। पूजा सोनिया ने गाय पालन कर छोटी सी डेयरी चलाती हैं। उनकी सालाना आमदनी एक लाख 22 हजार रूपये है।

इसी प्रकार छिंदवाड़ा जिले के मोहखेड़ विकास खंड के बीसापुराकला ग्राम पंचायत के श्री कृष्णा स्व-सहायता समूह के पास कुल पूंजी 73 हजार 560 रूपये है। यह समूह वर्ष 2018 में बना। पहले साल मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक की बीसापुरकला शाखा से एक लाख का ऋण लिया। इसे दो साल में चुका कर वर्ष 2020 में दो लाख का और फिर 2022 में 6 लाख का ऋण लिया। इस तरह कुल 9 लाख के ऋण से समूह के 11 सदस्यों ने अपने पसंद की गतिविधियां शुरू की। समूह की सदस्य कंचन बुनकर और बबीता गुलवास्कर ने सब्जी बेचने का व्यवसाय शुरू किया। कंचन बुनकर सालाना सवा लाख और बबीता गुलवास्कर डेढ़ लाख तक कमा रही हैं। समूह की अध्यक्ष ममता इन्दौरीकर को कपड़ा और सिलाई व्यवसाय से उनकी सालाना आय एक लाख 80 हजार तक पहुंच गई है। बड़वानी जिले के ठीकरी विकासखंड के छोटा बड़दा ग्राम पंचायत के 10 सदस्यों वाले श्री गणेश स्व-सहायता समूह ने एक कदम आगे बढ़ते हुए चार बार ऋण लिया। यह समूह वर्ष 2016 में बना था। वर्ष 2018 में मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक अंजड़ से एक लाख रूपये का पहला ऋण लिया। फिर 2019 में दो लाख, 2020 में ढाई लाख, 2022 में 2 लाख 80 हजार और साल के आखिर तक 6 लाख और चौथा ऋण 10 लाख अस्सी हजार का लिया। इस तरह 25 लाख रूपये से हर सदस्य ने अपना काम शुरू किया। समूह की अध्यक्ष मंजू गोयल ने वूलन डेकोरेशन और खिलौना व्यवसाय शुरू किया। उनकी सालाना आमदनी रूपये 2 लाख 28 हजार तक पहुंच गई है। अन्य सदस्य कविता जीतेन्द्र ने पशुपालन का व्यवसाय शुरू किया और सालाना एक लाख 32 हजार रूपये तक कमा रही हैं।

## विज्ञान भारती द्वारा श्रमोदय आवासीय विद्यालय एवं ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय में प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस का आयोजन

### चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव में पहुँचने वाले हम प्रथम देश : तस्लीम हबीब, पूर्व मुख्य वैज्ञानिक, मेपकास्ट

**भोपाल।** चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव में पहुंचने वाले हम प्रथम देश है । इसरो के माध्यम से हमने अब तक दूसरे देशों के 432 उपग्रह अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किए हैं। यह कहना है मेपकास्ट के पूर्व चीफ साइंटिस्ट श्री तस्लीम हबीब का । श्री तस्लीम हबीब श्रमोदय आवासीय विद्यालय भोपाल में प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की आयोजन पर बोल रहे थे । श्री हबीब ने अपने उद्बोधन में विस्तार से इसरो के विकास एवं उसके अंतरिक्ष मिशन के बारे में जानकारी दी । उन्होंने चंद्रयान प्रथम, चंद्रयान सेकंड और चंद्रयान 3 मिशन की तकनीक के बारे में विस्तार से बताया । उन्होंने इसरो द्वारा प्रेषित चंद्रयान 3 की के छायाचित्र भी शेयर किया । उन्होंने चंद्रयान की सतह के फोट्स शेयर करते हुए क्रेटर्स के प्रकार बताये । उन्होंने प्बताया कि प्रज्ञान रोवर लगभग 110 मीटर चला इसके साथ ही उन्होंने प्रज्ञान रोवर द्वारा चले गए 10 मीटर के पाथ के भी छायाचित्र प्रस्तुत किये । उन्होंने प्रज्ञान रोवर में लगे विभिन्न सेंसर और उनके उपयोग के बारे में विस्तार से बताया । इस दौरान भारतीय अंतरिक्ष की गाथा को बताने वाली फिल्मों का प्रदर्शन भी किया गया । जिसे देखकर विद्यार्थी रोमांचित हो उठे । विशेषज्ञ के

रूप में पधारे श्री शैलेन्द्र कसेरा ने विद्यार्थियों को रैकेट लौन्चिंग की तकनीक के बारे में बतया। इस विद्यार्थियों द्वारा सॉफ्ट लैंडिंग तकनीक के मॉडल का हैंड्स ऑन प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया जिसमे विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किये गए।

इस अवसर पर ज्ञानोदय विद्यालय में भी विज्ञान भारती द्वारा प्रथम अंतरिक्ष दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में एम्प्री की वैज्ञानिक डॉ कीर्ति सोनी ने मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन की उपयोगिता एवं इसरो के प्रमुख मिशनों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की । इस अवसर पर विज्ञान भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री विवस्वान हबलकर, एवं अन्य पदाधिकारी डॉ जे पी शुक्ला, विकास शेन्डे, डॉ धीरेन्द्र स्वामी, श्री हिमांशु शुक्ला, डॉ एकता जैन, डॉ सिंगोर, मेधा वाजपई, डॉ प्रवीण दिघर्रा, डॉ दर्शना पनवार सहित अन्य संस्थानों से वैज्ञानिक, प्राध्यापक, विज्ञान संचारक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे ।

## मंत्री पटेल ने किया श्री सांईराम इन्टरप्राईजेज का शुभारंभ

**नरसिंहपुर।** विगत 41 वर्षों से श्रीराम ट्रेडर्स आपकी सेवा में कार्यरत रहा है. इसी अनुभव और आपके विश्वास को आगे बढ़ाते हुए नवीनतम प्रतिष्ठान श्री सांईराम इन्टरप्राईजेज बर्जर पेन्ट्स डोको एक्सक्लूसिव स्टोर का शुभारंभ 23 अगस्त को प्रदेश सरकार के केबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, पूर्व विधायक जालम सिंह पटेल, कल्पेश जी दर्जी डी. जी. एम बर्जर पेन्ट्स लिमिटेड, सचिन ममार बर्जर पेन्ट्स म.प्र. प्रमुख, अभिषेक पाण्डेय बर्जर पेन्ट्स एरिया सेल्स मैनेजर जबलपुर की उपस्थिति में हुआ। कैबिनेट मंत्री श्री पटेल ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह प्रतिष्ठान ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवा देगा। प्रतिष्ठान के संचालक सुरेश राय, हिमांशु राय ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वाजिब दाम पर उत्कृष्ट सेवा देना हमारी प्राथमिकता हमेशा रही है। नवीन प्रतिष्ठान से भी श्रीराम ट्रेडर्स जैसी ही उत्कृष्ट सेवाएं उपभोक्ताओं को हम देंगे।

## उप चुनाव वाले स्थानों पर आचार संहिता प्रभावशील, शस्त्र लाइसेंस निलंबित

**नरसिंहपुर।** मप्र राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार पंचायतों के उप निर्वाचन वर्ष- 2024 के रिक्त पदों के चुनाव के लिए निर्वाचन की सूचना 21 अगस्त को जारी की गई है। उक्त तिथि से जिन जनपद पंचायतों के ग्रामों में उप चुनाव होने हैं, उन स्थानों पर आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो गई है।आचार संहिता प्रभावशील हो जाने के कारण पंचायतों के उप निर्वाचन वर्ष 2024 सरपंच/ जनपद सदस्य के निर्वाचन शांतिपूर्ण कराये जाने के उद्देश्य से जिले की जनपद पंचायतों के ग्रामों में जारी लायसेंसधारियों के शस्त्र लायसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर संबंधित थाने में शस्त्र अनिवार्य रूप से जमा कराया जाना आवश्यक है। जिला दंडाधिकारी नरसिंहपुर श्रीमती शीतला पटले ने शस्त्र अधिनियम 1959 की धारा 17 उपधारा 3 (ख) के प्रावधानों के अनुसार जिले की जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत खमरिया, झांसीघाट, बेलखेड़ी (नर्मदा) व सिलारी एवं जनपद पंचायत करेली की ग्राम पंचायत बीतली व ग्वारीकला के क्षेत्रांतर्गत शस्त्र लायसेंसधारियों को जारी शस्त्र लायसेंस निर्वाचन अधिसूचना दिनांक 21 अगस्त 2024 से निर्वाचन परिणाम दिनांक 15 सितम्बर 2024 तक तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। जिला दंडाधिकारी ने यह भी निर्देश जारी किये हैं कि उक्त सभी शस्त्र लायसेंसधारी उनके लायसेंस में दर्ज सभी शस्त्र संबंधित थाना गोटेगांव व करेली में तीन दिवस के भीतर अनिवार्य रूप से जमा कर पावती प्राप्त करेंगे। साथ ही जिन ग्राम पंचायत/ जनपद पंचायत के सीमा क्षेत्रों में चुनाव सम्पन्न होना है, वहां किसी भी प्रकार के अस्त्र- शस्त्र प्रवेश व धारण करना वर्जित होगा। आदेश का उल्लंघन पाये जाने पर संबंधित शस्त्र लायसेंसधारियों के विरूद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। यह आदेश बैंक सुरक्षा गार्ड, शासन के स्वीकृत गार्ड, सुरक्षा बलों, पुलिस सुरक्षा बलों, अर्द्धसैनिक बलों पर लागू नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि जिले की जनपद पंचायत गोटेगांव की खमरिया, झांसीघाट, बेलखेड़ी (नर्मदा) व सिलारी में जनपद सदस्य और जनपद पंचायत करेली की ग्राम पंचायत बीतली व ग्वारीकला में सरपंच पद के लिए निर्वाचन होना है।

## भोपाल को 2-0 से हराकर नरसिंहपुर ने सेमी फाइनल में किया प्रवेश

**नरसिहपुर।** राजगढ़ में आयोजित राज्य स्तरीय अंर्तविद्यालयीन व्हालीबॉल खेल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले में नेहरू उच्च माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर ने भोपाल की टीम को 2-0 से शिकस्त देकर शास. नेहरू उमावि नरसिंहपुर की विजेता व्हालीबॉल टीम ने राज्य स्तरीय अंर्तविद्यालयीन व्हालीबॉल खेल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। टीम कोच व्हालीवाल जोन सेक्रेटी मनीष कटारे, व्हालीबॉल कोच शाकिर हुसैन जनरल मैनेजर पंकज नेमा, प्राथमिक खेल शिक्षक शास. नेहरू उ.मा.वि. नरसिंहपुर टीम मैनेजर आशीष नामदेव, के नेतृत्व में जिले की व्हालीवाल टीम राज्य स्तरीय अंर्तविद्यालयीन व्हालीबॉल खेल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर फाइनल मुकाबले में जीत को बरकरार रखने के लिए पूर्ण उत्साहित हैं। व्हालीवाल के टीम के उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सेमीफाइनल में प्रवेश होने पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री अनिल व्यौहार, जिला क्रीड़ा अधिकारी द्वारा खुशी जाहिर कर टीम एवं सभी ऑफिशर्स को बधाई शुभकामनाए दी।

## कृषि विभाग द्वारा किया गया सोयाबीन फसल का नैदानिक भ्रमण

**सीहोर (निप्र)।** कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह के निर्देशानुसार कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि विभाग द्वारा संयुक्त रूप से इछावर एवं सीहोर विकासखंड के ग्रामः हसनाबाद, हीरापुर, चन्देरी, इमलीखेडा, शिकारपुर में सोयाबीन फसल का नैदानिक भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान फसल में तना मक्खी कीट, गर्डल बीटल, सेमी लूपर इल्ली एवं राइजोक्टोनिया झुलसा रोग का प्रकोप देखा गया है। इन कीटों के प्रकोप के कारण फसल पीली पड़कर सूख रही है तथा इल्ली के प्रकोप के कारण सोयाबीन फसल के फूल एवं कलिया प्रभावित हो रही है।

## पीएम जन मन के तहत विशेष कैम्प का होगा आयोजन

**नरसिंहपुर।** प्रधानमंत्री जनमन पीवीटीजी मिशन के अंतर्गत पिछड़ी जनजातियों (भारिया) के संबंधित मुखिया/ परिवारजनों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाये जाने के लिए कैम्प आयोजित किये जायेंगे। ये कैम्प जनपद पंचायत बाबई चीचली की ग्राम पंचायत भिलमाढाना के ग्राम भिलमाढाना राजस्व, भिलमाढाना वन, कोटरी व हींगपानी में कैम्प लगाये जायेंगे। ग्राम पंचायत भिलमाढाना में 27, 28, 29, 30 व 31 अगस्त को कैम्प आयोजित किये जायेंगे। सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार ने ब्लाक स्तरीय नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारियों को नियुक्त किया है। उन्होंने जारी आदेश कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये हैं।

# भोपाल-इंदौर में जमकर बारिश, 26 जिलों में अलर्ट

## केरवा डैम के चार गेट खोले ; सागर की नदी में डूबी 6 साल की बच्ची

**भोपाल (नप्र)।** मध्यप्रदेश में एक बार फिर तेज बारिश का दौर शुरू हो गया है। भोपाल में बीती रात से रुक रुककर बारिश हो रही है। इसके चलते केरवा डैम का जलस्तर बढ़ गया है। डैम के चार गेट खोले गए। भोपाल के अलावा इंदौर, नर्मदापुरम और रतलाम समेत कई जिलों में गुरुवार रात से ही बारिश हो रही है। सागर में 6 साल की बच्ची नदी में बह गई। देर रात तक उसका पता नहीं चल पाया था। मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में लो प्रेशर एरिया की वजह से मध्यप्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हो गया है। अगले चार दिन यानी 26 अगस्त तक तेज बारिश का दौर रहेगा।

### भोपाल में तेज बारिश, नादरा बस स्टैंड पर पानी भरा ; 50 से ज्यादा इलाकों में बिजली गुल रही

भोपाल में गुरुवार से ही रात में तेज बारिश हो रही थी जो शुक्रवार को भी जारी थी। जिससे नादरा बस स्टैंड समेत कई निचले इलाकों में पानी भर गया। जबकि तुलसी नगर, हर्षवर्धन समेत 50 से अधिक इलाकों में बिजली गुल रही। शुक्रवार सुबह से भी तेज रुक-रुककर बारिश का दौर जारी था। इधर, शुक्रवार दोपहर केरवा डैम का जल स्तर बढ़ गया। इसके चलते डैम के 4 गेट के खोले गए हैं।

### 8 दिन के ब्रेक के बाद फिर बारिश का दौर

अगस्त के आखिरी दिनों में 8 दिन के ब्रेक के बाद राजधानी फिर तरबतर हो रही है। पिछले 3 दिन से तेज और हल्की बारिश हो रही है। इससे बड़ा तालाब का जलस्तर भी बढ़ा है। वर्तमान में लेवल 1666.50 फीट तक पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार, अगस्त में भोपाल में 13 इंच बारिश होने का ट्रेंड है। इस बार अब तक 10 इंच से ज्यादा पानी बरस चुका है। वहीं, सीजन में 34 इंच से ज्यादा बारिश हो गई है, जो सीजन की करीब 90 प्रतिशत तक है।

### अगस्त में मानसून की बेरुखी भी देखने को मिली

अगस्त में मानसून की बेरुखी भी देखने को मिली है। शुरुआती 4 दिन तक भोपाल में अच्छी बारिश हुई, लेकिन इसके बाद हल्की बारिश का दौर ही चला। इस कारण अगस्त तक कोटा भी फुल नहीं हो सका है।

### सभी डैम के खुल चुके गेट

अबकी बार भोपाल के सभी डैम के गेट भी खुल चुके हैं। कलियासोत डैम के सभी 13 गेट खोले जा चुके हैं। कोलार डैम के 8 में से 4 गेट खुले हैं। भदभदा और केरवा डैम के गेट भी खोले गए थे। बारिश थमने के बाद गेट बंद कर दिए गए। पिछले 12 दिनों से गेट बंद है।

### अगस्त में 14 दिन बारिश का ट्रेंड

भोपाल में अगस्त के महीने में एवरेज 14 दिन बारिश होने का ट्रेंड है। इस महीने 13 इंच पानी बरसता है। इस बार शुरुआत के 4 दिन में 6.9 इंच से ज्यादा पानी गिर गया। इसके बाद हल्की बारिश से आंकड़ा साढ़े 10 इंच तक पहुंच गया। अगस्त के आखिरी दिनों में तेज पानी गिरने से सामान्य बारिश का आंकड़ा भी पार हो सकता है।

### इस बार 106 प्रतिशत बारिश का अनुमान

भोपाल में इस साल सामान्य से 106 प्रतिशत बारिश होने का अनुमान है। पिछली बार 18 प्रतिशत कम यानी, 82 प्रतिशत (30.9 इंच) बारिश हुई थी, जबकि भोपाल की सामान्य बारिश 37.6 इंच है।

# आर्मी जवानों ने ऊर्जा मंत्री का बंगला घेरा

## ग्वालियर में ट्रैफिक जवान पर मेजर से मारपीट का आरोप ; सस्पेंड करने की मांग को लेकर प्रदर्शन

**ग्वालियर (नप्र)।** ग्वालियर में आर्मी के मेजर और ट्रैफिक जवान के बीच मारपीट हो गई। विवाद एक्सीडेंट को लेकर हुआ था। परिजन का आरोप है कि मेजर को पुलिस उठाकर ले गई। इसके बाद गुरुवार देर रात थाने पर हंगामा हो गया।

शुक्रवार सुबह करीब 11.30 बजे आर्मी के जवान इकट्ठा होकर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के बंगले पर पहुंच गए। यहां नारेबाजी की। मंत्री ने जांच के बाद कार्रवाई की बात कही है।

दरअसल, गुरुवार शाम करीब 8 बजे सीएम डॉ. मोहन यादव का काफिला एमआईटीएस कॉलेज इंद्रमणि नगर चौराहे निकलने वाला था, जिसके लिए ट्रैफिक पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी थी। इसी बीच, शताब्दीपुरम के रहने वाले आशीष चौहान अपनी पत्नी, बहन और दोस्त के साथ कार से जा रहे थे। आशीष मेजर हैं और वर्तमान में राजस्थान के जोधपुर में पदस्थ हैं।

**मेजर ने ट्रैफिक जवान की पिटाई कर दी-** इसी दौरान इनोवा कार ने मेजर की गाड़ी को टक्कर मार दी। वह गाड़ी लेकर भागने लगा। मेजर गाड़ी से उतरकर उसे पकड़ने के लिए दौड़े। वहां मौजूद ट्रैफिक जवान ने मेजर को रोका। इसी बात पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि मेजर ने ट्रैफिक जवान की पिटाई कर दी।

हंगामा देख वहां से गुजर रही क्राइम ब्रांच पुलिस भी आ गई। मेजर को गाड़ी में बिठाकर गोला का मंदिर थाने ले गई। सूचना पर अफसर के परिजन समेत अन्य लोग रात में ही थाने पहुंच गए। उन्होंने ट्रैफिक पुलिसकर्मी पर केस दर्ज करने की मांग की।

**मेजर की पत्नी बोली- मारपीट कर पति को ले गए-** मेजर की पत्नी मीनाक्षी चौहान ने बताया, 'वह और उनके पति जब वहां से गुजर रहे थे। उस समय सीएम का काफिला नहीं निकल रहा था। ट्रैफिक पुलिस कर्मी ने पति से बेवजह विवाद किया था। विरोध करने पर ट्रैफिक पुलिसकर्मी ने उनके साथ मारपीट की। क्राइम ब्रांच पुलिस पति को जबरन गाड़ी में बैठ कर ले गई।

# महू में छत गिरी, 5 की मौत

## शव निकालने लगानी पड़ी 3 जेसीबी, 1 पोकलेन; मृतकों में दो सगे भाई, ठेकेदार भी

**महू (नप्र)।** इंदौर के पास महू के चोरल गांव में एक निर्माणाधीन फार्म हाउस की छत गिर गई। हादसे में 5 मजदूरों की मौत हो गई। घटना गुरुवार देर रात की है। शुक्रवार सुबह ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो हादसे का पता लगा। उन्होंने सिमरोल पुलिस को सूचना दी।

पुलिस-प्रशासन की टीम ने तीन जेसीबी और एक पोकलेन की मदद से राहत-बचाव कार्य शुरू किया। करीब तीन घंटे चले रेस्क्यू के दौरान एक-एक कर पांचों मजदूरों के शव निकाले गए। मृतकों में दो सगे भाई और कॉन्ट्रेक्टर भी शामिल हैं।

एसपी हीतिका वासल ने बताया कि 2 मजदूर इंदौर, 2 शाजापुर और 1 राजस्थान का रहने वाला था। गुरुवार को काम खत्म होने के बाद रात में खाना खाकर निर्माणाधीन इमारत में ही सोए थे।

पुलिस ने निर्माणाधीन रिसोर्ट के मालिक विकास पिता श्रीनिवास डबकरा, अनाया पति भरत डेम्बला, विहाना पति जतिन डेम्बला और रिसोर्ट के मैनेजर राहुल अहिरवार पर केस दर्ज किया है।

इधर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है। फार्म हाउस में गुरुवार को ही स्लैब डाली गई थी। रात को मजदूर उसी के नीचे सोए थे।

### हादसे में इनकी गई जान

- पवन (35) पिता भंवरलाल पांचाल निवासी बांसवाड़ा, राजस्थान (ठेकेदार)
- हरिओम (22) पिता रमेश मालवी निवासी गांव उन्मोद, शाजापुर
- अजय (20) पिता रमेश मालवी निवासी गांव उन्मोद, शाजापुर
- गोपाल (45) पिता बाबू लाल प्रजापति निवासी छोटा बांगड़दा, इंदौर
- राजा (22) पिता शेर सिंह निवासी इंदौर

### इंदौर के रहने वाले हैं फार्म हाउस के मालिक

पटवारी प्रकाश सोनी ने कहा कि खसरे पर फार्म हाउस मालिक का नाम ममता पति कन्हैया लाल और अनाया पति भरत डेमला दर्ज है, जो इंदौर के रहने वाले हैं।
प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, छत लोहे के एंगल पर डाली गई थी, जो उसका वजन नहीं सह सके।

### भोपाल-दमोह राज्यरानी एक्सप्रेस

# 25 अगस्त से नहीं जाएगी दमोह तक, वापसी भी सागर स्टेशन से

**भोपाल (नप्र)।** पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर मंडल के दमोह स्टेशन पर तीसरी रेललाइन का कार्य किया जाना है। जिसके कारण गाड़ी संख्या 22161-62 भोपाल-दमोह-भोपाल राज्यरानी एक्सप्रेस दमोह स्टेशन के बजाए सागर स्टेशन पर रुकने और प्रारंभ करने का निर्णय किया गया है। यह

ट्रेन आगामी 25 अगस्त 2024 से 14 सितम्बर 2024 तक सागर स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट व ऑरिजनेट होगी। गाड़ी संख्या 22161 भोपाल से चलकर दमोह तक जाने वाली राज्यरानी एक्सप्रेस 25 अगस्त से 13 सितम्बर तक दमोह स्टेशन के बजाए सागर स्टेशन पर खत्म होगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 22162 दमोह से भोपाल तक जाने वाली राज्यरानी एक्सप्रेस 26 अगस्त से 14 सितम्बर 2024 तक दमोह स्टेशन के बजाए सागर स्टेशन से प्रस्थान करेगी। यानि यह ट्रेन सागर-दमोह-सागर के मध्य आंशिक निरस्त रहेगी।

# प्रदेश में जिओ स्पेशियल टेक्नोलॉजी को प्रोत्साहित करने के लिए गतिविधियां की जाएंगी संचालित: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

## मुख्यमंत्री ने जिओ स्पेशियल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में महिलाओं के क्षमता संवर्धन के लिए आयोजित संगोष्ठी का किया शुभारंभ

**भोपाल (नप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वदेशी सेटेलाइट के बहुआयामी उपयोग में स्थानीय स्तर पर सहभागिता को प्रोत्साहित करने से विकास प्रक्रिया को गति मिलेगी। अंतरिक्ष विज्ञान से

- **सुशासन संस्थान में इसरो, राष्ट्रीय महिला आयोग, रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी और अर्थसाइट फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित हुई संगोष्ठी**

जुड़ी तकनीक का क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए प्रदेशवासियों के जीवन को बेहतर बनाने और विकास की प्रक्रिया में जिओ स्पेशियल टेक्नोलॉजी के उपयोग को बढ़ाने के लिए राज्य में हर स्तर पर गतिविधियां संचालित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में जिओ स्पेशियल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में महिलाओं के क्षमता संवर्धन के लिए आयोजित संगोष्ठी के अवसर पर यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

पहले राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 23 अगस्त को 'टचिंग लाइव्स व्हाइल टचिंग द मून' शीर्षक से यह संगोष्ठी राज्य शासन द्वारा इसरो, राष्ट्रीय महिला आयोग, रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी और अर्थसाइट फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित की गई। संगोष्ठी में राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य सचिव सुश्री मीनाक्षी नेगी, राम भाऊ म्हालगी प्रबोधिनी के उपाध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे, भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय उपस्थित थीं। राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य सचिव सुश्री नेगी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का महिला आयोग की गतिविधियों पर केंद्रित डिजीटल बुक भेंट की। कार्यक्रम में सुशासन संस्थान के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री लोकेश शर्मा भी उपस्थित थे।

### पंचांग पद्धति की सटीकता भारतीय खगोल शास्त्र की विश्वसनीयता को दर्शाती है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी क्षेत्रों में महिलाओं को उन्नति के अवसर उपलब्ध कराने में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विशेष योगदान है। देश में महिलाएं सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ-साथ अंतरिक्ष विज्ञान जैसे विशिष्ट के क्षेत्र में भी उपलब्धियां अर्जित कर रही हैं। कोविड काल में वैक्सीन बनाने तथा स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में खगोल शास्त्र का विशेष स्थान रहा है। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में ग्रहों और उपग्रहों का उल्लेख तथा इस संबंध में विभिन्न अवधाराणाएं इस तथ्य का परिचायक हैं। भारतीय पंचांग पद्धति में तिथियों की विस्तृत व्याख्या और सटीकता भी भारतीय खगोल शास्त्र की विश्वसनीयता को दर्शाती हैं।

### जनप्रतिनिधियों के लिए सहायक होगी जियो स्पेशियल तकनीक

राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य सचिव सुश्री मीनाक्षी नेगी ने कहा कि जिओ स्पेशियल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में क्षमता संवर्धन से जनप्रतिनिधियों के लिए विकास गतिविधियों के संबंध में निर्णय लेना सुगम होगा। इस तकनीक से विकास गतिविधियों में अधिक पारदर्शिता और गति आएगी। प्रबोधिनी के उपाध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जियो स्पेशियल तकनीक के क्षेत्र में दक्षता संवर्धन के लिए भारत सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी कार्यक्रम आरंभ किया गया है। इससे जनप्रतिनिधियों को वास्तविक स्थिति के अनुसार निर्णय लेने और योजना क्रियान्वयन के बेहतर अनुवेक्षण में सहायता मिलेगी।

### स्पेस टेक्नोलॉजी तेजी से जीवन का अभिन्न अंग बनती जा रही है

कार्यक्रम में बताया गया कि कि गत वर्ष 23 अगस्त को चंद्रयान-2 की चंद्रमा की सतह पर सफल लैंडिंग के उपलक्ष में प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाने का आव्हान किया गया था। स्पेस टेक्नोलॉजी तेजी से जीवन का अभिन्न अंग बनती जा रही है। इसके उपयोग से दैनिक जीवन सुगम हो रहा है। साथ ही कृषि, वन, मत्स्य, जल संसाधन सहित विकास के सभी क्षेत्रों का प्रबंधन भी अधिक पारदर्शी और जनोन्मुखी तरीके से किया जा सकता है। स्थानीय स्तर पर विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में महिला जनप्रतिनिधियों को अधिक दक्ष व प्रभावी बनाने के उद्देश्य सेटेलाइट टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में क्षमता संवर्धन के लिए यह कार्यशाला में विस्तार से चर्चा हुई।

# भोपाल के सुभाष एक्सीलेंस स्कूल में मनाया गया पहला अंतरिक्ष दिवस

## कार्यक्रम में दी गई बच्चों को अंतरिक्ष विज्ञान से संबंधित जानकारी

**भोपाल (नप्र)।** प्रदेश के स्कूलों में आज राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया गया। इस मौके पर स्कूलों में व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किये गये। वर्ष 2023 में 23 अगस्त को चंद्रयान-3 विक्रम लेंडर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव में सफलतापूर्वक उतारा गया था। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रति वर्ष इस दिन को अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। इसी परिप्रेक्ष्य में आज अंतरिक्ष दिवस मनाया गया। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश भी जारी किये थे।

### सुभाष एक्सीलेंस स्कूल

भोपाल के सुभाष एक्सीलेंस स्कूल में पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया गया। सुभाष स्कूल की प्रातःकालीन सभा में वरिष्ठ शिक्षक श्रीमती एकता पाठक, श्रीमती सीमा माथुर और श्री दीवान सिंह ने बच्चों को वर्चुअल क्लासरूम के माध्यम से श्यामला हिल्स स्थित रीजनल साइंस सेंटर में हुए कार्यक्रम से जोड़ा। कार्यक्रम के माध्यम से मुंबई के डिपार्टमेंट ऑफ एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स के ख्याति प्राप्त सेवानिवृत्त वैज्ञानिक प्रो. मयंक वाहिया ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान कार्यक्रम अतीत, वर्तमान एवं भविष्य विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी बच्चों को दी। उन्होंने बताया कि अंतरिक्ष विज्ञान में लगातार शोध हो रहे हैं। इस क्षेत्र में युवाओं को अच्छे मौके मिलेंगे। इसके लिये बच्चों को इस विषय में अभी से तैयारी करना चाहिए।

### शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

भोपाल के श्यामला हिल्स स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राज्य शिक्षा केन्द्र से 160 मास्टर ट्रेनर्स और राज्य शोध समूह के 10 एसआरजी ने अपनी सहभागिता की। कार्यक्रम में अंतरिक्ष विज्ञान से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बताया किया गया अंतरिक्ष विज्ञान का उपयोग अब दुनिया में कई क्षेत्रों में किया जा रहा है। सेटेलाइट के माध्यम से हर विषय की जानकारी शीघ्रता से सभी संबंधित समूहों तक पहुंचाई जा रही है।

# अलीराजपुर के राजा स्व. कमलेन्द्र सिंह की बेशकीमती संपत्ति की वसीयत पर विवाद

## संदिग्ध वसीयत के खिलाफ आपत्ति लगाई और एसपी को शिकायत दर्ज

**अलीराजपुर।** अलीराजपुर का राजवाड़ा और रियासतकालीन विरासत इन दिनों बदहाल अवस्था में है। भव्य राजमहल और इससे जुड़ी ऐतिहासिक विरासत वाली भूमि पर कुछ भू माफियाओं की नजर लग गई। साथ ही ऐतिहासिक राजवाड़े से जुड़ी भूमि और भव्य महल पर पर भी भू माफियाओं की नजर लगी है।

बताया जा रहा है कि अलीराजपुर के राजा कमलेन्द्र सिंह (बाबजी) के निधन के बाद उनके उत्तराधिकारी गुजरात के बारीया स्टेट के तुषार सिह अलीराजपुर के स्व कमलेन्द्र सिंह की सारी संपत्ति का नामांतरण अपने नाम से करवाना चाहते हैं। इसके लिए उनके लोगों ने तहसील में नामांतरण की प्रक्रिया शुरू भी कर दीहै। इसकी भनक लगने के बाद अलीराजपुर नगर पालिका के नेता प्रतिपक्ष और पत्रकार विक्रम सेन ने रियासत की क़रीब 1000 करोड़ की रियासतकालीन सम्पति का येन केन प्रकारेण नामांतरण कराने की सार्वजनिक की।

29-30 मार्च 1996 की दरम्यानी रात सर सुरेंद्र सिंह महाराज का निधन हुआ था। 3 मार्च 2002 को इनकी संपत्ति पर स्व कमलेंद्र

सिंह ने नामांतरण करवाया। परंतु इन कथित उत्तराधिकारी रिश्तेदार ने कमलेन्द्र सिंह के निधन को 6 सप्ताह भी नहीं होने दिए और तथाकथित अपंजीकृत वसीयत से संपत्ति के नामांतरण का प्रकरण दर्ज करा कर आपत्ति भी कागजातों में ही जारी करवा दी।

इस वसीयत में सभी ऐतिहासिक संपत्ति को बेचने और उसके शेयर में महाराज साहब के निजी पीए को देने जैसे अनेक संदिग्ध बिंदु लिखे गए हैं। जानकारों का कहना है कि श्रीमंत कमलेंद्र सिंह 87-88 वर्ष की उम्र में ऐसा कतई नहीं लिख सकते थे। राजशाही की संपत्तियों को बेचने की कभी अनुमति नहीं देते। स्व महाराज कमलेंद्र सिंह के वास्तविक रक्त संबंधित परिजनों ने इस पर आपत्ति प्रस्तुत की है। साथ ही इस पर अपना हक जताते हुए इन राजशाही की संपत्तियों को सुरक्षित रखने या प्रशासन के कब्जे में लेने के लिए तहसील कार्यालय में आवेदन भी दिया हैं।

**नामांतरण के खिलाफ आपत्ति लगी-** जब इस बात की भनक लगी कि करीब 1000 करोड़ की बेशकीमती संपत्ति को ठिकाने लगाने की योजना चल रही है, तो सोंडवा के जागीरदार भगवती प्रताप सिंह राठौड़ ने तहसील में इस नामांतरण के खिलाफ आपत्ति दर्ज करवाई। उन्होंने कहा कि वे स्व राजा कमलेन्द्र सिंह के करीबी हैं। इसलिए इस सम्पत्ति पर उनका भी हक है। सम्पत्ति पर नजर जमाए बारिया के तुषार सिंह जिनका मूल निवास बिहार हैं, उनके नाम से करीबी लोगों ने फर्जी तरीके से गुपचुप नामांतरण कराने की योजना बनाई है। आवेदक का कहना है कि मैं स्व महाराज कमलेंद्र सिंह के रक्त वंश का होकर संबंधी हूं। मेरा भी इस संपत्ति में हक और हिस्सा वैधानिक तौर पर बनता है, जो मुझे मिलना चाहिए, इसलिए मैं इस नामांतरण मे चल रही कार्यवाही पर आपत्ति दर्ज करा रहा हूं।

**एसपी को भी सौंपा आवेदन-** इस संबंध में अलीराजपुर एसपी को भी इस संदिग्ध वसीयत की जांच के लिए आवेदन देकर दोषी पाए जाने वाले आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की गई है।